YouTube AJJ KA MUDDA

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र

Website : www.aajkamudda.com
Email:muddaaajka@gmail.com

आज का मुद्दा

नोएडा गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

नजर आपकी खबर आपकी

वर्ष : 15 अंक 29 | नोएडा गौतमबुद्धनगर, सोमवार 17 फरवरी 2025 | RNI-No. UPHIN/2011/37197 | पेजः 8 | मूल्य : 2 रुपया

कर्नाटक कांग्रेस में एक बार फिर मचा घमासान

डीके शिवकुमार को प्रदेश अध्यक्ष से हटाने की मांग

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक कांग्रेस में नेतृत्व परिवर्तन को लेकर मांग तेज हो गई है। पार्टी के कई नेता राज्य के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार को प्रदेश अध्यक्ष पद से हटाने की मांग कर रहे हैं। राज्य के लोक निर्माण मंत्री सतीश जारकीहोली ने मल्लिकार्जुन खड़गे और केसी वेणुगोपाल से मुलाकात करके प्रदेश अध्यक्ष बदलने की मांग की है। वे इस पद के मजबूत दावेदार माने जा रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, यह बदलाव साल के अंत तक हो

सकता है। इस साल उन्हें सीएम बनाए जाने की भी संभावना है। हालांकि, शिवकुमार ने इस मामले पर अब तक चुप्पी साध रखी है। वहीं, कैबिनेट मंत्री केएन राजन्ना ने कहा कि शिवकुमार को लोकसभा चुनाव तक प्रदेश अध्यक्ष बनाए रहने की बात हुई थी लेकिन सिद्धारमैया ढाई साल तक ही मुख्यमंत्री होगें, यह साफ नहीं है। राजन्ना ने कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल के 2023 के बयान का हवाला देते हुए यह कहा है। केसी वेणुगोपाल ने ढाई-ढाई साल के फॉर्मूला के लिए 2023 में कहा था।

राहुल गांधी की सलाह पर खड़ी हुई नई कांग्रेस

प्रभारी महासचिवों की तैनाती में 75 फीसदी आरक्षण

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीते कई सालों से कांग्रेस नेता राहुल गांधी लगातार आरक्षण की बात करते रहे हैं। वह आबादी के अनुपात में जातिगत आरक्षण की बात दोहराते रहे हैं, जबकि विपक्ष का कहना रहा है कि राहुल गांधी जो कह रहे हैं, उस पर अमल भी करें। अब राहुल गांधी की पहल पर कांग्रेस में जो 11 राज्यों के प्रभारी बनाए गए हैं, उनमें से 8

नेता उन्हीं वर्गों के हैं, जिन्हें प्राथमिकता देने की बात राहुल गांधी करते रहे हैं। इन नेताओं में 5 यानी करीब आधे ओबीसी वर्ग के हैं तो वहीं एक दलित, एक मुस्लिम, एक आदिवासी शामिल हैं। इसके अलावा तीन नेता सामान्य वर्ग के हैं। इस तरह करीब 75 फीसदी कोटा ओबीसी, एससी-एसटी और अल्पसंख्यसकों के लिए रखा गया है। इन नेताओं में अहम चेहरा भूपेश बघेल हैं, जो पंजाब के प्रभारी महासचिव बने हैं। वह छत्तीसगढ़ के सीएम रह चुके हैं और प्रियंका गांधी से लेकर राहुल तक के करीबी माने जाते हैं। राहुल गांधी लोकसभा चुनाव से भी कई महीने पहले से संविधान की कॉपी हाथ में लेकर घूमते रहे हैं।

पूजा कुमारी, ललिता देवी, कृष्णा...

कुंभ जाने की आस में खामोश हो गईं 18 जिंदगी

● हमेशा के लिए बंद हुई आवाज, परिवारों में पसरा मातम ● रो-रो कर लोगों का है बुरा हाल, अपनों को खोकर टूट गए कई परिवार

नई दिल्ली (एजेंसी)। शनिवार रात को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ मचने की वजह से 18 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, 35 से ज्यादा लोग घायल बताए जा रहे हैं। इन यात्रियों में ज्यादातर लोग महाकुंभ जाने की होड़ में थे, सभी प्रयागराज पहुंच जाना चाहते थे लेकिन रेलवे प्रशासन की अव्यवस्था, कुछ ट्रेनों की देरी के चलने की वजह से भगदड़ जैसी स्थिति पैदा हो गई और इतने लोगों की जान गई। इस समय कई परिवारों में मातम पसरा हुआ है, रो-रो कर लोगों का बुरा हाल है। लोग अपनों को खोकर बुरी तरह टूट चुके हैं, सपना महाकुंभ में डुबकी लगाने का देखा था, लेकिन अब अपनों के शव ले जाने को मजबूर दिखाई दे रहे हैं। सरकार ने अपनी तरफ से आर्थिक सहायता का ऐलान जरूर कर दिया है, लेकिन मृतक के परिवार वाले इससे संतुष्ट नहीं है, वे असल न्याय की बात कर रहे हैं। इस समय 18 लोगों की पूरी लिस्ट भी सामने आ चुकी है जिनकी इस भगदड़ में जान गई। ये सभी महाकुंभ जाने के लिए निकले थे,लेकिन अब दुनिया को ही अलविदा कह चुके हैं। जानकारी के लिए बता दें कि 18 लोगों की मौत हुई है उसमें 9 महिलाएं, 4 पुरुष और 5 बच्चे शामिल हैं।

रेलवे की नाकामी और सरकार की असंवेदनशीलता...

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन हादसे के लिए सरकार को खूब तीखा सुना रहा विपक्ष

● कांग्रेस ने सरकार पर सच्चाई छिपाने का लगाया आरोप, राहुल ने खूब सुनाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ के मामले से सियासी पारा चढ़ गया है। विपक्षी दल केंद्र सरकार पर हमलावर हैं। कांग्रेस ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ में हुई मौतों के बारे में सरकार पर रविवार को सच्चाई छिपाने का आरोप लगाया और कहा कि इससे एक बार फिर रेलवे की 'विफलता' और सरकार की 'असंवेदनशीलता' उजागर हुई है।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर शनिवार रात मची भगदड़ में 18 लोगों की मौत हो गई। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि महाकुंभ के लिए प्रयागराज जाने वाले श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या को देखते हुए स्टेशन पर बेहतर व्यवस्था की जानी चाहिए थी। गांधी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'यह घटना एक बार फिर रेलवे की विफलता और सरकार की असंवेदनशीलता को उजागर करती है। प्रयागराज जाने वाले श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या को देखते हुए स्टेशन पर बेहतर व्यवस्था की जानी चाहिए थी।' उन्होंने कहा, 'सरकार और प्रशासन को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कुप्रबंधन और लापरवाही के कारण किसी को जान न गंवानी पड़े। पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने एक्स पर लिखा, नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुए हादसे में महाकुंभ जा रहे श्रद्धालुओं की दर्दनाक मौत बेहद दुखद एवं पीड़ादायक है। हादसे में जिन परिवारों ने अपनों को खोया, उन सभी के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं।

प्रयागराज में फिर चरमराई ट्रैफिक व्यवस्था, घंटों से जाम में फंसे लोग, सड़क पर उतरे सेना के जवान

प्रयागराज (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ लगा हुआ है। महाकुंभ में एक बार ट्रैफिक व्यवस्था फिर से चरमरा गई है। वहीं सेना के जवानों ने प्रयागराज की सड़कों पर मोर्चा संभाल लिया है। सेना के जवान ट्रैफिक खुलवाने में लगे हुए हैं। प्रयागराज जाने वाले रास्तों पर तीन से चार घंटे से भीषण जाम लगा है। मेडिकल चौराहे से बालसन तक लंबा जाम लगा हुआ है। वहीं बहरना से बालसन तक भी लंबा जाम लगा है। सोबतिया मार्ग से दरभंगा चौराहे तक भीषण जाम लगा है। प्रयागराज

के नैनी नया पुल और पुराना पुल पर तीन किमी लंबा दोनों तरफ यानी आने और जाने वाला रास्ता ब्लॉक है। वहीं झूंसी के शास्त्री ब्रिज पर अलोपीबाग चौराहे से लेकर अंदावा मोड़ तक गाड़ियां फंसी हैं। जबकि फाफामऊ पुल पर तेलियरगंज से लेकर प्रतापगढ़ और लखनऊ रोड पर कई किमी तक रास्ते में लोग फंसे हैं। बता दें कि प्रयागराज में जाम को लेकर लगातार शिकायतें आ रही है। दो दिन पहले ही उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बड़े अधिकारियों के साथ बैठक की थी।

पूरे हिंदू समाज को एकजुट करना चाहता है संघ:भागवत

आरएसएस प्रमुख का वेस्ट बंगाल की बर्धमान रैली में बड़ा बयान

मोहन भागवत ने विविधता में एकता के महत्व पर दिया जोर

बर्धमान (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने दुनिया की विविधता को अपनाने के महत्व पर जोर देते हुए रविवार को कहा कि हिंदू समाज का मानना है कि एकता में ही विविधता समाहित है। बर्धमान के साई ग्राउंड में आरएसएस के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि लोग अक्सर पूछते हैं कि हम केवल हिंदू समाज पर ही ध्यान क्यों देते हैं, और मेरा जवाब है कि देश का जिम्मेदार समाज हिंदू समाज है।

● **हिंदू समाज को संगठित करना चाहता है संघ-** आरएसएस चीफ भागवत ने कहा कि आज कोई विशेष कार्यक्रम नहीं है। जो लोग संघ के बारे में नहीं जानते, वे अकसर सवाल करते हैं कि संघ क्या चाहता है। अगर मुझे जवाब देना होता, तो मैं कहता कि संघ हिंदू समाज को संगठित करना चाहता है, क्योंकि यह देश का जिम्मेदार समाज है। उन्होंने कहा कि भारत केवल भूगोल नहीं है। भारत की एक प्रकृति है। कुछ लोग इन मूल्यों के अनुसार नहीं जी सके और उन्होंने एक अलग देश बना लिया। लेकिन जो लोग यहां रहे उन्होंने स्वाभाविक रूप से भारत के मूल तत्व को अपना लिया... और यह मूल तत्व क्या है। यह हिंदू समाज है, जो दुनिया की विविधता को स्वीकार करके फलता-फूलता है। हम कहते हैं 'विविधता में एकता', लेकिन हिंदू समाज का मानना है कि विविधता ही एकता है।

● **भारत में कोई भी सम्राटों और महाराजाओं को याद नहीं करता-** भागवत ने कहा कि भारत में कोई भी सम्राटों और महाराजाओं को याद नहीं करता, बल्कि अपने पिता का वचन पूरा करने के उद्देश्य से 14 साल के लिए वनवास जाने वाले राजा (भगवान राम) को याद रखता है।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने उज्जैनवासियों को दी सौगात, रूद्र सागर पर बने अशोक ब्रिज का किया लोकार्पण

उज्जैन : उज्जैन में महाकाल मंदिर जाने के लिए एक और नया प्रवेश द्वार खुल गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 25 करोड़ की लागत से रूद्र सागर पर बने ब्रिज का लोकार्पण किया। इसे सम्राट अशोक ब्रिज के नाम से जाना जाएगा। अब श्रद्धालु शक्ति पथ से सीधे महाकाल मंदिर पहुंच सकेंगे। इससे चारधाम मंदिर से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए करीब डेढ़ किमी की दूरी कम हो जाएगी। मुख्यमंत्री ने मानसरोवर के सामने जैसे ही नए ब्रिज का लोकार्पण किया। यहां जमकर आतिशबाजी की गई। शंख और डमरू बजाकर सीएम का स्वागत भी किया गया। जिसके बाद मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने श्री महाकालेश्वर भगवान के दर्शन किये। पूजन राजेश पुजारी व आकाश पुजारी द्वारा सम्पन्न करवाया गया।

कई मायनों में खास रहा 15 फरवरी

उज्जैन वालों के लिए 15 फरवरी का दिन कई मायनों में खास रहा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उन्हें बड़ी सौगातें दीं। उन्होंने उज्जैन में 2272 लाख रुपये के विकास कार्यों का भूमि-पूजन-लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि हम सभी पर बाबा महाकाल की कृपा है। हम सभी अलग-अलग क्षेत्रों में और आगे बढ़ने वाले हैं।

गरीब जनता को भी आगे बढ़ने का अधिकार है। उसे भी बड़े भवनों में शादी-ब्याह करने चाहिए। सीएम डॉ. यादव ने कहा कि सरकार लगातार विकास के काम कर रही है।

आलू उत्पादकों के लिए बड़ी कंपनी स्थापित होगी

हमारी सरकार मिशन ज्ञान (गरीब-युवा-अन्नदाता-नारी शक्ति) के विकास के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में काम कर रही है। उन्होंने जनता को बताया कि पेप्सिको कंपनी आलू उत्पादकों के लिए बड़ी कंपनी स्थापित करने जा रही है। अब उनकी सरकार गाय-बकरी का दूध भी खरीदेगी। साथ ही, दूध उत्पादन पर फसल की तरह बोनस भी मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि पेप्सिको उज्जैन में दुनिया की सबसे बड़ी कंपनी स्थापित कर रही है। वह किसानों से आलू सीधे खरीदेगी। हमारी सरकार गाय पालनों को 25 फीसदी अनुदान देगी। इससे गाय पालने वालों की आय बढ़ेगी। प्रदेश का दुग्ध संघ गाय और बकरी का दूध भी खरीदेगा। इससे दूध उत्पादन को प्रोत्साहन मिलेगा। जनता को दूध उत्पादन पर फसल की तरह ही बोनस मिलेगा।

'शिप्रा नदी के घाट का सौंदर्यीकरण किया जाएगा

हमारी सरकार युवाओं को उसकी क्षमता के हिसाब से राजगोर-स्वरोजगार मुहैया कराएगी। सीएम डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सरकार का एकमात्र उद्देश्य है राज्य को देश के विकसित राज्यों में शामिल करना। हम युवाओं-गरीबों का जीवन बदलने की कोशिश कर रहे हैं। युवाओं को जिस भी तरह का उद्योग लगाना हो, उसमें सरकार मदद करेगी। शिप्रा के सभी घाटों का सौंदर्यीकरण किया जाएगा। लोग नाव से एक घाट से दूसरे घाट जा सकेंगे। लोगों को शिप्रा का साफ पानी मिलेगा।

सब सोच रखा है तो हमारी जरूरत ही क्या है

आर-पार के मूड में अनिल विज, 'अन्याय' पर भड़के

चंडीगढ़ (एजेंसी)। अंबाला नगर परिषद के चुनाव में पार्षदों के टिकट बंटवारे को लेकर मची कलह तेज होती जा रही है। अंबाला कैंट से विधायक और भाजपा के वरिष्ठ मंत्री अनिल विज अपने 15 समर्थकों को टिकट न मिलने से भड़के हुए हैं। उनके समर्थकों ने यहां तक कह दिया है कि यदि लोकल यूनिट की बात को खारिज कर हाईकमान के लेवल से ही सब तय हो रहा है तो फिर हमारी जरूरत ही क्या है। एक समर्थक ने कहा कि कुल 32 नामों का ऐलान हुआ है, जिनमें से 15 लोग तो ऐसे हैं, जिनकी सिफारिश स्थानीय स्तर पर किसी भी नेता ने नहीं की थी। इस पर अनिल विज भड़क गए हैं और उनका कहना है कि क्या मैं विदेश चला जाऊं, जब कोई सुनवाई ही नहीं हो रही है। शुक्रवार को देर रात लिस्ट जारी हुई तो हलचल तेज हो गई। अनिल विज के समर्थक उनके घर पहुंचने लगे। यही नहीं शनिवार को भी यह सिलसिला जारी रहा और अब रविवार को भी उनके यहां समर्थकों का हुजूम उमड़ा पड़ा है। स्थानीय कार्यकर्ता, नेता, बूथ और मंडलों के अध्यक्ष उनसे मिलने पहुंच रहे हैं। खबर है कि स्थानीय यूनिट की तरफ से हाईकमान को एक ईमेल भी भेजा गया है। इसमें टिकट बंटवारे को लेकर असंतोष जाहिर किया गया है। अनिल विज के समर्थकों ने नारेबाजी की भी की है। खासतौर पर उन लोगों के खिलाफ नारे लगाए गए, जिन्हें टिकट मिला है। यही नहीं ऐसे भी कई नेता नाराजा हैं, जिन्हें टिकट मिला है। उनका कहना है कि अनिल विज जो कहेंगे, वह वही करेंगे। इन लोगों का कहना है कि चुनाव में अनिल विज के खिलाफ काम करने वाले कई लोगों का पार्षद का टिकट मिला है। अनिल विज के गुस्से को देखते हुए समर्थकों का कहना है कि पार्टी हाईकमान से यदि पॉजिटिव जवाब नहीं मिला तो भविष्य में वह मंत्री पद छोड़ सकते हैं। विज ने पिछले दिनों कहा भी था कि मेरी विधायकी कोई नहीं छीन सकता।

दिल्ली रेलवे स्टेशन हादसा : भगदड़ से शमशान घाट बन गया रेलवे स्टेशन जिम्मेवार कौन?

नरेंद्र भारती

देश में भगदड़ मचने का यह कोई पहला हादसा नहीं है इससे पहले सैंकडों हादसे हो चुके है और हजारों लोग बेमौत मारे जा चुके है मगर यह हादसे कम नहीं हो रहे हैं। इन घटनाओं को हादसा नहीं हत्याऐं कहना गलत नहीं होगा।

भगदड़ मचने से रेलवे स्टेशन शमशानघाट बन गया दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भीड़ में भगदड़ मचने से एक बार फिर लाशों के ढेर लग गए चारों तरफ लाशें ही लाशें बिखर गई ' महाकुम्भ जा रहे 18 लोगों की मौत हो गई ' देश में भगदड़ की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं और बेकसूर लोग बेमौत मर रहे हैं जिसका ताजा घटनाक्रम 15 फरवरी शनिवार देर रात नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ मचने से 18 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई ' अभी कुम्भ की घटना की स्याही भी नहीं सुखी थी की दिल्ली में यह हादसा हो गया कुछ दिन पहले संगम स्थल पर हुआ था प्रयागराज में कुम्भ मेले में भगदड़ मचने से दर्जनों लोग मारे गए थे और सेकड़ों घायल हो गए थे ' रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ में मरने वालों की संख्या में वृद्धि हो सकती है ' ऐसा हादसा इससे पहले हाथरस में सत्संग में भगदड़ मचने से 120 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी 'कुछ वर्ष पहले विजयदशमी के दिन रावण दहन के अवसर पर बिहार की राजधानी पटना के गांधी मैदान में देखने को मिला था जहां बिजली का तार टूटने की अफवाह से भगदड़ मचने के कारण33 लोगो की दर्दनाक मौत हो गई थी और 100 से ज्यादा घायल हो गए थे काश प्रशासन ने पिछली घटनाओं से सबक सीखा होता तो यह हादसा न होता। देश में भगदड़ मचने का यह कोई पहला हादसा नहीं है इससे पहले सैंकडों हादसे हो चुके है और हजारों लोग बेमौत मारे जा चुके है मगर यह हादसे कम नहीं हो रहे हैं। इन घटनाओं को हादसा नहीं हत्याऐं कहना गलत नहीं होगा। इस रावण दहन के अवसर पर गांधी मैदान में पांच लाख लोग आए थे लेकिन प्रशासन ने केवल एक ही द्वार खोल रखा था। कुम्भ में भगदड़ के कारण जिन्दा लोग पल भर में लाशों में बदल गए। देश में मंदिरों में मेले व अन्य पर्व अब आस्थास्थल न होकर मरणस्थल बनते जा रहे हैं। कुम्भ में चारों तरफ लाशों के ढेर ही नजर आ रहे थे। लोगों का सामान चारों तरफ बिखरा पडा था। भगदड़ में सैकडों

महिलाएं ,बच्चे व बुर्जुग पैरों तले कुचल दिए गए , लोग बदहवाश होकर अपनों को ढूंढ रहे थे।मगर उनके अपने मौत की नीद सो चुके थे।चारों तरफ चप्पलें व जूते नजर आ रहे थे। इसे प्रशासन की लापरवाही की संज्ञा दी जाए तो कोई आतिश्योक्ति नहीं होगी। प्रशासन को पता था कि लाखों की तादाद में लोग व बच्चे आएगें तो सुरक्षा के इंतजाम क्यों नहीं किए गए। सरकार ने भले ही हादसे की न्यायिक जांच के आदेश दे दिए है मगर जो काल का गाल बन गए उसकी भरपाई कैसे होगी। अब प्रशासन मृतकों को लाखो रुपया मंआवजा दे रही है अगर पहले से ही सुरक्षा के इंतजाम किए होते तो यह हादसा रुक सकता था। मुआवजा समस्या का हल नहीं है। सरकारो द्वारा जो पैसा मुआवजे के रुप में दिया जाता है उससे व्यवस्था को सुधारने में लगाया होता तो आज यह नौबत न आती। आकडों पर नजर डाले तो आत्मा सिहर उठती है। 3 फरवरी 1954 को कुम्भ मेले में भगदड़ मचने से 800 लोगों की मौत हुई थी ' 1986 में भी कुम्भ में में भगदड़ मचने से 200 लोग मारे गए थे '2006 में भी सिंध नदी में 50 तीर्थयात्री बह गए थे। 10फरवरी 2013 को इलाहाबाद में कुम्भ मेले 36 लोगों की मौत हुई थी और 39 लोग घायल हुए थे। 26 जनवरी 2005 को महाराष्ट्र के सतारा जिले के मंधेरी मंदिर में 350 लोगों की दर्दनाक मौत हुई थी।नवंबर 2006 में उडीसा के शंदरपुरी स्थित भगवान जगन्नाथ मंदिर में आरती के समय भदड़ में चार लोगों की मौत हो गई थी और दर्जनो घायल हुए थे।झारखंड के देवधर के एक आश्रम में भगदड़ से 9 लोगों की मौत हो गई थी, 30 सितंबर 2008 को जोधपुर में चामुडा देवी मंदिर में 250 लोगों की मोत हुई थी।3 अगस्त 2008 को हिमाचल प्रदेरू के प्रसिध्द शक्तिपीठ नैना देवी में भगदड मचने से 162 लोग मारे गए थे तथा 300 घायल हुए थे। घटना के समय मंदिर में 20 से 25 हजार लोग मौजूद थे। मरने वालों में 104 लोग अकेले पंजाब के रहने वाले थे। 14 जनवरी 2011 को केरल के सबरीमाला मंदिर में भगदड़ में 106 श्रध्दालूओं की मौत हो गई थी और 100 से अधिक घायल हो गए थे। नंवबर 2012 में बिहार में छठ पुजा के दौरान गंगा नदी के घाट पर बना बांस का पुल टुटने से लोगों में भगदड़ मचने से 20 श्रध्दालुओं की मौत हो गई थी। बार-बार हादसे हो रहे हैं मगर सरकारें मूकदर्शक बनकर तमाशा देख रही है।प्रशासन तब जागता है जब लाशों के ढेर लग जाते हैं। प्रशासन को इन हादसों को अनदेखा नहीं करना चाहिए। इस घटना ने प्रशासन की बदइंतजामी की पोल खोल दी हैं। इस हादसे में कई अनाथ हो गए तो माताएं व बहनों का सुहाग उजड गया। ऐसे हादसे ताउम्र रोते हुए छोड़ जातें है। छोटे बच्चे दर-दर की ठोकरें खातें हैं। केन्द्र सरकार को इन हादसों पर संज्ञान लेना चाहिए तथा दोषियो के खिलाफ कारवाई करनी चाहिए और प्रत्येक मंदिरों व आस्था स्थलों में आपदा से निपटने के लिए आपदा प्रबंधन समितियां गठित करनी चाहिए। मंदिरो में हर वर्ष करोडो. रूपया चढावा चढता है मगर श्रध्दालूओं की सुरक्षा रामभरोसे ही चल रही है। मंदिर कमेटियो को भी इन हादसो से सीख लेनी चाहिए। ताकि आने वाले समय में इन हृदयविदारक हादसो को रोका जा सके। अगर अब भी सबक न सीखा तो श्रध्दालूओं को मंदिरों में मौत की सौगातें मिलती रहेगी और आस्था स्थल व रेलवे स्टेशन शमशानघाट बनते रहेगें।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

आस्था का महास्फोट

यह कुंभ कई मायनों में अप्रतिम रहा है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी के अनुसार अब तक प्रयागराज के महाकुंभ में लगभग 50 करोड़ श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगा चुके हैं। शायद ही कोई संत, महंत, साधु, संन्यासी ऐसा हो, जो चाहे किसी अखाड़े या संप्रदाय से क्यों न जुड़ा हुआ हो यहां न आया हो। राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री से लेकर सत्ता पक्ष के लगभग सभी बड़े नेता कुंभ स्नान कर चुके हैं। अंबानी और अडानी सहित देश के शीर्षक उद्योगपति परिवारों के लोग त्रिवेणी के जल में स्नान कर चुके हैं। फिल्म उद्योग तथा अन्य गतिविधियों से जुड़े हुए प्रसिद्ध और चर्चित चेहरे प्रयागराज की माटी चूम चुके हैं। सामान्य श्रद्धालुओं का जो उत्साह प्रारंभ में उमड़ता हुआ दिखाई दिया था उसकी उमड़.किसी भी दिन कम नहीं हुई। मौनी अमावस्या के दिन दुखद दुर्घटना हुई। कुछ श्रद्धालुओं की मृत्यु भी हुई। कई स्तर पर अव्यवस्था भी दिखाई दी। प्रयागराज पहुंचने वाले हर मार्ग पर मीलों लंबे जाम लगे। इन सबके अतिरिक्त विपक्षी दलों के नेताओं। ने चुन चुन कर प्रहार किया कांग्रेस के नेताओं ने कुंभ की मूल भावनाओं पर ही सवाल खड़े किए। इसके बावजूद आस्था के ज्वार में हर उत्सव को ठंडा करने वाला हर तत्व बह गया। शायद दुनिया की यह एकमात्र ऐसी परिघटना है जहां आस्था का इतना विकेट उद्वेलन देखा जा रहा है। अगर राजनीति की बात हो तो सत्ता पक्ष सत्ता पक्ष उत्साहित है, लेकिन विपक्ष को आस्था का यह सैलाब परेशान कर रहा है और प्रश्न यह है कि यह बाढ़ के नियंत्रित पानी जैसा या सुनामी जैसा आस्था का जो समुद्र उमड़ा है, क्या वह किसी रचनात्मक ऊर्जा का प्रतीक है जिसे अंततः अनियंत्रित होकर अराजक हो जाना है। क्या हिन्दुत्ववादी शक्तियों के पास सचमुच कोई ऐसी योजना है जिससे आस्था की इस स्फोट से राष्ट्रीय समाज के उत्थान के अनुशासित ऊर्जा का सृजन हो सके। अगर यह आस्था सकारात्मक और रचनात्मक दिशा की ओर नहीं ले जायी जाती है तो इसके परिणाम भारत जैसे बहुलतावादी देश के लिए नकारात्मक भी हो सकते हैं। वस्तुतः आस्था के समुद्र पर ऐसे बांध बनाने की जरूरत है जिनसे राष्ट्र हितवारी ऊर्जा संपन्न हो सके और सामाजिक विवेक का विस्तार हो सके।

सूक्ति

सफलता हमेशा के लिए नहीं होती, विफलता कभी घातक नहीं होती यह तो लगे रहने की प्रवृत्ति हैं जो मायने रखती है
- विंस्टन चर्चिल

हमारे जीवन का उस दिन अंत होना शुरू हो जाता है जिस दिन हम उन विषयों के बारे में चुप रहना शुरू कर देते हैं जो मायने रखते है
- मार्टिन लूथर किंग

चिंतन-मनन

उत्तम शरण है धर्म

धर्म के बारे में भिन्न-भिन्न अवधारणाएं हैं। कुछ जीवन के लिए धर्म की अनिवार्यता को स्वीकार करते हैं। कुछ लोगों का अभिमत है कि धर्म ढकोसला है। वह आदमी को पंगु बनाता है और रूढ़ धारणाओं के घेरे में बंदी बना लेता है। शायद इन्हीं अवधारणाओं के आधार पर किसी ने धर्म को अमृत बताया और किसी ने अफीम की गोली। ये दो विरोधी तत्व हैं। इन दोनों ही तथ्यों में सत्यांश हो सकता है, यह अनेकांतवादी चिंतन का फलित है। धर्म की अनिवार्यता स्वीकार करने वालों के लिए धर्म है अंधकार से प्रकाश की यात्रा। आलोक आदमी के भीतर है। उसे पाने के लिए इधर-उधर भटकने की जरूरत नहीं है। आलोक तक वही पहुंच सकता है, जो अंतमरुखी होता है। अंतमरुखता धर्म है और बहिर्मुखता अधर्म है। अंतमरुखता प्रकाश है और बहिर्मुखता अंधकार है। अंतर्मुखता धर्म है और बहिर्मुखता अधर्म है। अंतर्मुखता आचार है और बहिमरुखता अतिचार है। जो व्यक्ति जितना भीतर झांकता है, उतना ही धर्म के निकट होता है।

धर्म को मानने वाले वे प्रबुद्ध लोग हैं जिन्होंने पूजा और उपासना को ही धर्म मान लिया। मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारा आदि धर्म-स्थानों में जाने वाले व्यक्तियों के हर आचरण को धर्म समझ लिया। धार्मिक क्रियाकांडों तक जिनकी पहुंच सीमित हो गई और धार्मिकों की दोहरी जीवनपद्धति को देखकर जो उलझ गए। भगवान महावीर अपने युग के सफल धर्म-प्रवर्तक थे। धर्म को जानने या पाने के लिए उन्हें किसी परंपरा का अनुगमन नहीं करना पड़ा। उन्होंने उस समय धर्म के द्विविध रुप का निरूपण किया। उनकी दृष्टि में धर्म का एक रूप अमृतोपम था तो दूसरा प्राणलेवा जहर जैसा।

दिल्ली का मुख्य मंत्री कौन ?

विनोद कुमार सिंह

दिल्ली चुनाव में आप को अंहकार ले डुबी... देश की राजधानी दिल्ली में इन दिनों बंसत की बहती ब्यार के संग सता के सिंघासन पर कौन,दिल्ली का नया मुख्य मंत्री कौन होगा,इस पर चर्चा,चिन्तन व चिंताए दिखने लगी है। जैसा कि आप को मालुम है कि दिल्ली विधान सभा चुनाव सम्पन्न व परिणाम भी हफ्ते बीत गए है। दिल्ली की जनता अपने नए मुख्य मंत्री का स्वागत करने का तत्पर है। लेकिन 48 सीट पर विजयश्री का सेहरा पहनें के बाद भाजपा का शीर्ष नेतृत्व दिल्ली की जनता को उनका मुख्य मंत्री देने में लाचार दिख रही है।8 फरवरी को दिल्ली विधान सभा के नतीजे आए।हालाँकि मुख्य मंत्री के नाम का ऐलान कभी भी हो जाएगा।नए सीएम के नाम की घोषणा में देरी की वजह प्रधानमंत्री मोदी का देश से बाहर होना था।ये बातें हम सब जानते हैं।सी ०एम० पद के दावेदारों के रूप में कई नाम पर कयास लगाये जा रहे है।रोहिणी से विधायक विजेंद्र गुप्ता दिल्ली के नए मुख्यहो सकते हैं।श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स के स्टूडेंट रहे विजेंद्र गुप्ता धीर गंभीर इंसान हैं।दिल्ली के मसलों को खूब जानते हैं।तीन बार नगर निगम पार्षद और चौथी बार विधायक बने हैं।वही जनकपुरी से विधायक आशीष सूद के नाम की भी चर्चा है।डिसू के अध्यक्ष रहे हैं।

कुछ लोगों के अनुसार प्रवेश वर्मा सी एम बनाए जायेंग या उन्हें कैबिनेट में शामिल किए जा सकते हैं।दिल्ली की कैबिनेट में राजौरी के विधायक मनजिंदर सिंह सिरसा को भी लिया जा सकता है।जंगपुरा से विधायक मारवाह या गांधी नगर वाले लवली के कैबिनेट में जगह बनाने की उम्मीद कम है।इसके पीछे उनका मूलतः कांग्रेसी होना है।जीके से विधायिका शिखा राय को भी कैबिनेट में जगह मिल सकती है। वो भी पंजाबी हैं।कैलाश गहलोत को नई कैबिनेट में कोई खास विभाग मिलना निश्चित है।वो केजरीवाल सरकार में ट्रांसपोर्ट मंत्री थे।समझदार नेता हैं।जाट समाज से आते हैं।अगर मुस्तफाबाद से विधायक बने मोहन सिंह बिष्ट को विधान सभा का स्पीकर बनाया जा सकता है।वो भी लगातार विधायक बन रहे हैं।खैर ! वही राजनीति के पंडितयों के मध्य इन दोनों अरविन्द केजरीवाल व उनकी पार्टी आप की हार पर गहन अध्ययन व विवेचन किया जा रहा है। मै आप को बता दूँ कि भारतीय राजनीति के क्षितिज पर अन्ना हजारे के आन्दोलन का अबलम्बन ले कर जिस तरह आम आदमी के आशा व उम्मींद की नई किरण के साथ अरविन्द केजरीवाल ना केवल आया बल्कि अपने पार्टी का भी आम आदमी पार्टी रखा।जिस पर दिल्ली की भोली जनता ने दिल्ली सरकार के सता ना केवल तीन बारे के शीला दीक्षित को बाहर निकाल फेक कर अरविन्द केजरीवाल की सता पर आसीन किया।केजरीवाल के तीन बार मुख्यमंत्री बने रहें।भाग्य की विडम्बना देखिए जिस भष्ट्राचार , अपराध मुक्त विरोध में बुलन्द आवाज झण्डा चलते है।अंत स्वयं वे व उनकी आम आदमी पार्टी के शीर्ष नेता जेल चले गए,बाद में जेल से जमानत पर है।जहाँ तक इस बार दिल्ली विधान सभा का प्रशन है।तो मै स्पष्ट कर दूँ कि कुछ महीने पुर्व से ही केजरीवाल व उनकी पार्टी के खिलाफ माहौल चल रहा था।चुनाव आते आते ह्यकट्टर ईमानदारह्न केजरीवाल के कल तक जो कट्टर समर्थक थे और इसके जबरदस्त विरोधी हो गये थे।ठीक वैसे ही जैसे पाँच वर्ष पूर्व पहले से ही दबी जुबान में भी डंका केजरीवाल का ही बोल रहा था।दिल्ली की जनता जर्नादन का संदेश साफ साफ था कि केजरीवाल जी तुम्हारीह्य गुमराहगीरी अब नहीं चलेगी।तुम अपने झूठ के सहारे एक बार नही बल्कि दो दो बार सता पा सकते हैं लेकिन बार बार नहीं,दिल्ली की जनता अब समझ चुकी थी कि अरविन्द केजरीवाल अपने विरोधी भाजपा व काँग्रेस पर जो आरोपों के सहारे तस्वीर बना रहे हैं।उनसे उनकी व आप की हार की लहर इन तस्वीरों में झलक रही थी।अरविंद केजरीवाल व उनकी पार्टी की हार पर निश्चित तौर पर भाजपाई में खुशी है कि भारतीय राजनीति में केजरीवाल की मौकापरस्त व उनकी मूल्यविहीन राजनीति की हार है। उनका कहना है कि जिस अन्ना आंदोलन से लेकर अरविंद केजरीवाल ने अपना राजनीतिक सफर की शुरूआत की थी। सर्वविदित रहे कि अन्ना आंदोलन में सबसे पहले मंच पर भारत माता की बड़ी तस्वीर लगाई गई थी।लेकिन केजरीवाल और कंपनी ने जब देखा कि उससे इतना ज्यादा आकर्षण नहीं आ रहा है तो तुरंत उन्होंने अन्ना हजारे के पीछे महात्मा गांधी का बड़ा चित्र लगा दिया।परिणान स्वरूप अरविंद केजरीवाल रातों-रात त्याग तपस्या की मूर्ति व ईमानदारी का चोला ओढ़कर सबसे बड़े गाँधीवादी बन गए।कई बार उन्होंने राजघाट पर बापू की समाधि पर मौन व्रत और शांतिपूर्ण धरना भी दिया।लेकिन पहला मौका पाते ही उन्होंने अपने मुख्यमंत्री कार्यालय और फिर पंजाब में बनी सरकार के मुख्यमंत्री के कार्यालय से भी महात्मा धी की तस्वीर गायब कर दी।केजरीवाल की मौका परस्ती का यह बहुत बड़ा उदाहरण है। यहाँ पर मै स्पष्ट कर दूँ कि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ(आरएसएस)हमेशा से गाँधी की विचारधारा का विरोधी रहा है लेकिन आरएसएस की पार्टी भाजपा के नेताओं ने भी कभी महात्मा गांधी की तस्वीर हटाने की हिम्मत नहीं की।जहाँ तक दिल्ली के मुसलमान के प्रशन है,तो दिल्ली के मुस्लीम मतदाताओं ने तीन चुनाव से आम आदमी पार्टी को वोट दे रहा है लेकिन शाहीनबाग में महिलाओं के धरने प्रदर्शन में मुख्यमंत्री केजरीवाल या उनका कोई व्यक्ति नहीं गया।दिल्ली के दंगों में उनकी भूमिका मुस्लिम विरोधी रही।सी ए ए(उअअ)व एन आर सी(ठफ्ठ)के मुद्दे पर वे खामोश रहे।भारत के इतिहास में जब पहली बार कश्मीर के रूप में किसी राज्य का पूर्ण राज्य का दर्जा छीनकर उसे केंद्र शासित प्रदेश बनाया गया तो केजरीवाल ने सबसे पहले उसका स्वागत किया।

और राजनीति में सत्यता और ईमानदारी की बात करने वाले केजरीवाल अंततः शराब घोटाले में फंस गए।मैं नहीं जानता कि वाकई यह घोटाला हुआ या नहीं,इसमें केजरीवाल या उनके लोगों ने पैसा खाया या नहीं,लेकिन इतना तो सब लोग जानते हैं कि उन्होंने दिल्ली के घर-घर में शराब आसानी से उपलब्ध कराने की नीति बनाई थी।कम से कम यह नीति उस नैतिकता के बिल्कुल उलट है,जिसका स्वांग केजरीवाल भरा करते थे।उनके आलीशान सरकारी बंगले की नुमाइश भी उनके सादगी के अभिनय पर भारी पड़ी।जब इन सब बातों को एक साथ मिलकर देखते हैं तो सोचना पड़ता है कि अगरभाजपा की जगह केजरीवाल जीत जाते तो आखिर भारत के संवैधानिक धर्मनिरपेक्ष मूल्यों को कोई फायदा होने वाला तो नहीं था।

*दबी जुबान से राजनीति पण्डितओं का मानना है कि अरविन्द केजरीवाल व आम आदमी पार्टी दिल्ली चुनाव में आप को अंहकार ले डुबी जहाँ तक मत के प्रतिशत का सवाल है तो दिल्ली कांग्रेस पार्टी ने अच्छा ही किया जो अपने दम पर चुनाव लड़ा 6.4 % से अधिक वोट पाए वहीकेजरीवाल की पार्टी करीब 2.4 प्रतिशत वोट से भाजपा से हार गई। उनका मानना है कि दिल्ली,पंजाब, गोवा,गुजरात,हरियाणा व उत्तराखंड में केजरीवाल व उनकी पार्टी ने कांग्रेस को ही नुकसान पहुंचाया।इतना नुकसान खाने के बाद कम से कम कांग्रेस की यह नैतिक या रणनीतिक जिम्मेदारी नहीं थी कि वह भाजपा की बी टीम केजरीवाल की पालकी अपने कंधे पर ढोएते हुए काँग्रेस की पराजय को अपने गले मे हार बनाकर घुमते रहें।

वैश्विकी: म्यूनिख में अमेरिका-यूरोप टकराव

डॉ. दिलीप चौबे

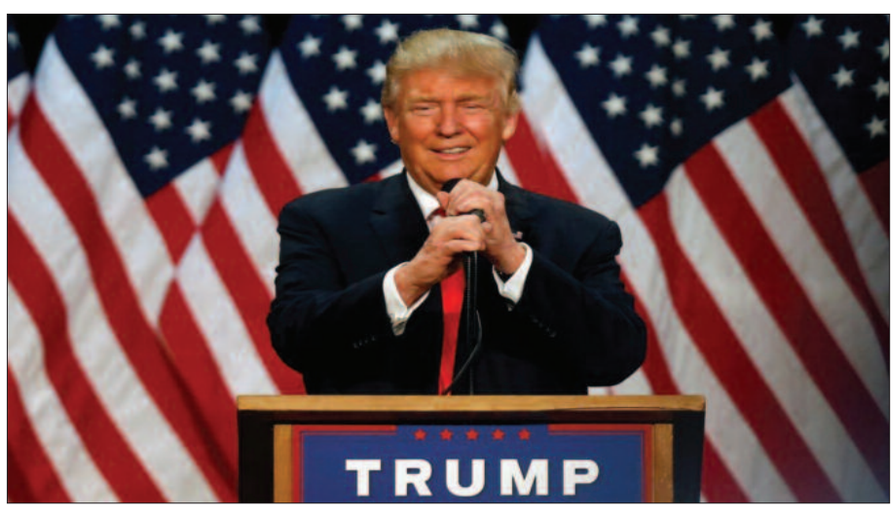

अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद राजनीतिक और कूटनीतिक झटके यूरोप में महसूस किए जा रहे हैं। जर्मनी के शहर म्यूनिख में चल रहे सुरक्षा सम्मेलन में अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के भाषण ने यूरोप के सत्ता प्रतिष्ठानों को हिला दिया है। कुछ महीने पहले तक अमेरिका यूरोप के नेता एक ही सुर में बोलते थे। यूक्रेन युद्ध सहित अनेक विश्व मामलों में दुनिया को बड़ी कीमत चुकानी पड़ी। पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन और ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के बजाय आग में घी डालने का काम किया। यूक्रेन, रूस और यूरोप को इसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ी।

डोनाल्ड ट्रंप ने अपने वायदे के अनुसार कार्यकाल के आरंभ में ही युद्ध समाप्त कराने तथा शांति वार्ता आयोजित करने के संबंध में ठोस पहल की। उन्होंने रूस के राष्ट्रपति पुतिन से लंबी बातचीत की। ट्रंप का शांति फामूर्ला है यूक्रेन में तुरंत युद्ध विराम हो तथा बातचीत शुरू हो। रूस को भरोसा दिलाया जाए कि यूक्रेन को कभी पश्चिमी देश सैन्य संगठन नाटो एवं सदस्य नहीं बनाया जाएगा। वास्तव में कुछ वर्ष पहले यदि यह घोषणा की गई होती तो युद्ध शुरू ही नहीं होता। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेग सेथ ने नाटो की बैठक में अमेरिका के इसी रवैये को दोहराया जो यूरोपीय सदस्य देशों को नागवार गुजरा। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की खुलकर ट्रंप प्रशासन का विरोध करने की स्थिति में नहीं हैं। हालांकि पर्दे के पीछे वह अमेरिका के खिलाफ यूरोपीय देशों की लामबंदी का प्रयास कर रहे हैं।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेड़ी वेंस का संबोधन यूरोप की सरकारों और नेताओं की नीतियों पर खुला प्रहार था। उन्होंने इन देशों में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को लेकर अपनाई जा रही पाखंडपूर्ण नीतियों की तीखी आलोचना की। उन्होंने कहा कि यूरोप को रूस और चीन सहित बाहरी शक्तियों के बजाय घरेलू ताकतों से असल खतरा है। जेडी वेंस ने आरोप लगाया कि यूरोपीय देशों में अभिव्यक्ति की आजादी को दबाने की कोशिश की जा रही है जर्मनी के रक्षा मंत्री बोरिस पिस्तोरियस ने आपत्ति जाहिर करते हुए कहा कि यह स्वीकार नहीं किया जा सकता। वास्तव में आव्रजन, इस्लामी कट्टरवाद, गर्भपात, पर्यावरण और वैक्सीन आदि मुद्दों पर ट्रंप प्रशासन तथा यूरोपीय नेताओं में मतभेद है। पिछले चुनाव में अमेरिकी मतदाताओं ने डेमोक्रेटिक पार्टी के खिलाफ ट्रंप को भारी जनादेश दिया था। ट्रंप प्रशासन अब इन्हीं नीतियों को अन्य देशों में फैलाना चाहता है। उपराष्ट्रपति वेंस का संबोधन ऐसे समय सामने आया है जब जर्मनी में आम चुनाव होने वाले हैं। चांसलर शोल्ज को कड़ी चुनौती का सामना है। यूरोप की अन्य देशों की तरह जर्मनी में भी आव्रजन और इस्लामी कट्टरवाद विरोधी राजनीतिक दलों की ताकत बढ़ रही है। जर्मनी के दक्षिणपंथी राष्ट्रवादी दल एडीएफ की ताकत में इजाफा हो रहा है। मस्क एड़ीएफ का समर्थन कर रहे हैं। जर्मनी और यूरोप के अन्य देशों में यह धारणा बन रही है कि ट्रंप प्रशासन चुनाव में दखलअंदाजी कर रहा है।

यह विडंबना है कि कुछ दिन पहले जो यूरोपीय देश अन्य देशों को अभिव्यक्ति की आजादी की नसीहत दे रहे थे, वे आज खुद कठघरे में खड़े हैं। वास्तव में पश्चिम का वर्चस्ववादी वैश्विक तंत्र सूचना युद्ध पर टिका था। सूचना के सभी माध्यमों पर इन देशों का एकाधिकार था। किसी भी मुद्दे पर घरेलू और विदेशी मोर्चे पर जनमत का निर्माण करने के लिए इस सूचना तंत्र का इस्तेमाल किया जाता था। ट्वीटर, फेसबुक और व्हाट्सएप आदि के प्रचलन के बाद लोगों को सूचना के वैकल्पिक माध्यम हासिल हुए। एलन मस्क ने ट्वीटर का स्वामित्व हासिल करने के बाद इसे आंतरिक सेंसरशिप से मुक्त किया। वास्तव में भारत पश्चिमी देशों के सूचना एकाधिकार के दुष्परिणाम का भुक्तभोगी रहा है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर कहते रहे हैं कि भारत और उसकी सरकार की छवि खराब करने के लिए सुनियोजित अभियान चलाया जाता है। जयशंकर ने कुछ वर्ष पूर्व इसी म्यूनिख सम्मेलन में कहा था कि यूरोपीय देश यह मानते हैं कि इस महाद्वीप की समस्या विश्वव्यापी है जबकि अन्य देशों की समस्याओं से उनका कोई लेना-देना नहीं है। यह स्थिति ज्यादा दिन तक नहीं चल सकती। अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने प्रकारांतर से जयशंकर के तर्क को ही आगे बढ़ाया है।

आज का मुद्दा समाचार पत्र का प्रत्येक अंक मां गंगा और सिद्ध पीठ बाबा बालक नाथ मंदिर सेक्टर 62 नोएडा के चरणों में समर्पित : स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं संपादक मनोज वत्स द्वारा वत्स ऑफसेट मुद्दा हाउस सी ब्लॉक बरात घर चौड़ा रघुनाथपुर सेक्टर 22 नोएडा गौतम बुध नगर उत्तर प्रदेश से मुद्रित करा कर मुद्दा हाउस सी ब्लॉक बरात घर चौड़ा रघुनाथपुर सेक्टर 22 नोएडा गौतम बुद्ध नगर उत्तर प्रदेश से प्रकाशित किया मुख्य संपादक के.जी.शर्मा **RNI.NO.UPHIN/2011/37197,** 9310549614
किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।

700 करोड़ हुई राम मंदिर की सलाना आय, देश के ये दो प्रमुख मंदिर कमाई के मामले में हैं शीर्ष पर

आज का मुद्दा

अयोध्या : पर्यटकों व श्रद्धालुओं की पहली पसंद बन रही रामनगरी रोजाना नए-नए रिकॉर्ड बना रही है। राम मंदिर सालाना आय के मामले में देश का तीसरा सबसे बड़ा मंदिर बन चुका है। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद से अब तक अयोध्या में 13 करोड़ से अधिक श्रद्धालु व पर्यटक पहुंच चुके हैं। मंदिर की सालाना आय 700 करोड़ के पार पहुंच चुकी है। सालाना आय के मामले में राम मंदिर ने स्वर्ण मंदिर, वैष्णो देवी व शिरडी साईं मंदिर को पीछे छोड़ दिया है। अयोध्या उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था के साथ-साथ देश की अर्थव्यवस्था के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान प्रदान कर रही है। वर्तमान में अयोध्या में श्रद्धालुओं और पर्यटकों की संख्या लगभग दो से पांच लाख के बीच है, जिसके लिए सर्वसुलभ दर्शन एवं ठहराव की व्यवस्था करना एक महत्वपूर्ण चुनौती हो गई है। श्रद्धालुओं के बढ़ते हुए प्रवाह के कारण ही आज अयोध्या का राम मंदिर भारत के 10 महत्वपूर्ण मंदिरों में धार्मिक दान अर्जित करने वाली सूची में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। राम मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु निधि समर्पित करते हैं। इसके अलावा सोना-चांदी भी अर्पित करते हैं। उत्तरप्रदेश-

उत्तराखंड इकोनॉमिक एसोसिएशन के महासचिव प्रो. विनोद श्रीवास्तव बताते हैं कि एक अध्ययन एवं अनुमान के अनुसार वर्ष 2024 - 25 में आंध्र प्रदेश के तिरुपति वेंकटेश्वर मंदिर की वार्षिक दान राशि लगभग 1500 से 1650 करोड़ रही । द्वितीय स्थान पर केरल तिरुवंतपुरम का श्री पद्मनाभम स्वामी मंदिर है जिसका वार्षिक कलेक्शन लगभग 750 से 850 करोड़ रुपये है। रामनगरी आ रही श्रद्धालुओं की भीड़ से दान का रिकॉर्ड भी टूट रहा है। महाकुंभ में डुबकी लगाने के बाद लाखों श्रद्धालु अयोध्या पहुंच रहे हैं। राम मंदिर में रोजाना चार लाख श्रद्धालु दर्शन-पूजन कर रहे हैं। यह सिलसिला मकर संक्रांति से ही चल रहा है। मंदिर ट्रस्ट कार्यालय के प्रभारी प्रकाश गुप्ता बताते हैं कि ट्रस्ट के 10 दान काउंटर पर रोजाना दस लाख रुपये से ज्यादा का दान चढ़ रहा है। अनुमान के मुताबिक महाकुंभ के एक माह में लगभग 15 करोड़ से ज्यादा का दान जमा हुआ है। इसमें रामलला के सामने रखे छह दानपात्रों में दी गई धनराशि भी शामिल हैं।

चौधरी नरेंद्र सिंह की माता जी का स्वर्गवास के उपरांत उनका अंतिम संस्कार मस्तराम श्मशान घाट पर किया गया

आज का मुद्दा -बुलंदशहर : कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व जिला उपाध्यक्ष एडवोकेट देवेंद्र राजा के स्वर्गवास एवं वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष बुलन्दशहर चौधरी नरेंद्र सिंह की माता जी का स्वर्गवास के उपरांत उनका अंतिम संस्कार मस्तराम श्मशान घाट अनूपशहर में किया गया अंतिम संस्कार से पूर्व कांग्रेस नेताओं ने एडवोकेट स्वर्गीय देवेंद्र सिंह राजा के सुपुत्र एवं वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष चौधरी नरेंद्र सिंह को विरासत के स्वरूप कांग्रेस नेताओं ने पार्टी ध्वज सौंप कर दुःख की घड़ी में पूर्व पूर्व लोकसभा प्रत्याशी शिवराम वाल्मीकि ,जिला अध्यक्ष पंडित सुभाष गांधी, पूर्व जिला अध्यक्ष चौधरी सियोपल सिंह ,महिला कांग्रेस की जिलाध्यक्ष प्रज्ञा गौड़, जिला महासचिव ज्ञानेंद्र सिंह राघव , एनएसयूआई के जिला अध्यक्ष पारस शर्मा ,शहर अध्यक्ष प्रशांत वाल्मीकि ,नगर अध्यक्ष सलाम खान एडवोकेट सलाद शर्मा राजेश शर्मा अम्बरीष वर्मा के साथ शोक संतृप्त परिवार को सांत्वना व्यक्त कर कांग्रेस परिवार दुख की घड़ी में साथ होने के संकल्प के साथ-साथ कांग्रेस की विरासत को संभाले रखने में आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

गाजीपुर दिव्य धाम के पीठाधीश्वर अंकुर मोहन को गोली से उड़ाने की धमकी

इमरान सैफी -बुलंदशहर । गाजीपुर दिव्य धाम के पीठाधीश्वर अंकुर मोहन महाराज को जमीनी विवाद में दबंगों द्वारा गोली से उड़ने की धमकी देने का मामला प्रकाश में आया है। धाम के पीठाधीश्वर और उनके सेवादारों के मुताबिक सिकन्द्राबाद कोतवाली क्षेत्र के गांव गाजीपुर में स्थित सिद्ध पीठ 'दिव्य धाम बाबा मोहन राम सेवा ट्रस्ट' के द्वारा मंदिर के सामने ही गांव में एक स्थान पर मंदिर बनाने के लिए जमीन खरीदी है। जिसपर निर्माण कार्य चल रहा है। दावा है कि गत 12 फरवरी को सेवादार अनमोल व अभिषेक मंदिर में कार्य कर रहे थे, तभी गांव के कुछ दबंगों ने बाहरी व्यक्तियों को साथ लेकर निर्माण कार्य बलपूर्वक रोकने का प्रयास किया। सेवादारों के विरोध करने पर गाली-गलौज और मारपीट की। इसी दौरान दबंगों ने मंदिर ट्रस्ट की दीवार भी तोड़कर क्षतिग्रस्त कर दी। शोर सुनकर पीठाधीश्वर अंकुर

मोहन की माता भी मौके पर आ गईं। वह सेवादारों से मामले की जानकारी ले रहीं थी, इस दौरान शेखर व गोलू के साथ मौजूद एक दबंग ने उनके साथ भी अभद्र व्यवहार करते हुए अंजाम भुगतने और पीठाधीश्वर अंकुर मोहन को गोली से उड़ाने की धमकी दी। इसका एक सेवादार ने वीडियो बना लिया। शोर सुनकर लोग एकत्रित हुए तो आरोपित भुगतने की धमकी देकर फरार हो गए। पीठाधीश्वर अंकुर मोहन महाराज व उनके स्वजनों को आरोपितों से जान-माल का भय है, पुलिस को दी शिकायत में आरोपितों से भविष्य में खतरे की आशंका जताई है। सूचना के बाद पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना भी किया। समाचार प्रेषित के वक्त उक्त मामले में जानकारी के लिए सिकन्द्राबाद थाना प्रभारी और क्षेत्राधिकारी से फोन संपर्क किया लेकिन संपर्क नहीं हुआ। दिव्य धाम बाबा मोहन राम सेवा ट्रस्ट के पीड़ित सेवादारों ने पुलिस को आरोपितों के विरुद्ध नामजद तहरीर दे कार्रवाई की मांग करते हुए धाम के पीठाधीश्वर की रक्षा-सुरक्षा करने और न्याय दिलाने की गुहार की है।

भारतीय किसान यूनियन मातृ भूमि की हुई मासिक बैठक

आज का मुद्दा-बुलन्दशहर। अंसारी रोड स्थित कार्यालय भारतीय किसान यूनियन मातृ भूमि की मासिक पंचायत बैठक का आयोजन किया गया। रविवार को भारतीय किसान यूनियन की बैठक में अंसारी रोड स्थित कार्यालय में भारतीय किसान यूनियन की मासिक पंचायत बैठक का आयोजन किया गया। रविवार को भारतीय किसान यूनियन मातृ भूमि की बैठक में कई समस्या रखी भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष दानवीर प्रधान राष्ट्रीय संगठन मंत्री सर्वेश राणा व जिला अध्यक्ष कासिम अली ने बताया कि गांव में जल - जीवन मिशन के चलते सड़कें खराब पड़ी है उनकी मरम्मत नहीं हो पाई है। आवारा छुट्टा पशुओं एवं बंदरों का गांव में आतंक है। जिससे फसलें खराब हो रही हैं। तहसील स्तर पर खतौनी एवं घरौनी के नाम पर भ्रष्टाचार व ब्लॉक में जन्म व मृत्यु प्रमाण पत्र में किसानों को हो रही परेशानी के लिए विचार किया गया। पदाधिकारियों ने कई शुगर मिलों के द्वारा किसानों को गन्ना मूल्य भुगतान में देरी पर भी चर्चा की गई,वहीं आगामी रणनीति तय की। बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष दानवीर प्रधान, सर्वेश राणा राष्ट्रीय महामंत्री, राजकुमार गिरी राष्ट्रीय प्रवक्ता, पवन चौधरी राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष,मौरियाज उर्फ राजू भाई राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष,जिला अध्यक्ष कासिम अली, फैसल मालिक जिला महामंत्री, फाजिल बादशा, जिला अध्यक्ष व्यापार प्रकोष्ठ,जलाल भाटी यूवा जिला अध्यक्ष आदि लोग मौजूद रहे।

बाइक सवार युवक की अज्ञात वाहन की टक्कर से हुई दर्दनाक मौत

आज का मुद्दा बुलंदशहर। देहात कोतवाली क्षेत्र में नेशनल हाईवे पर खुर्जा मोड़ के निकट बाइक सवार युवक को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल हुए अलीगढ़ निवासी मुर्सलीन की बीती सुबह अलीगढ़ स्थित मेडिकल कॉलेज में उपचार के दौरान मौत हो गई। परिजनों की ओर से अभी कोई तहरीर नहीं दी गई है। प्राप्त विवरण नुसार अलीगढ़ के ऊपरकोट निवासी मुर्सलीन (32) बाइक से बुलंदशहर अपनी एक रिश्तेदारी में आए हुए थे। देर शाम करीब आठ बजे वह बाइक से अलीगढ़ जाने के लिए निकले थे। जब वह नेशनल हाईवे 34 पर खुर्जा मोड़ से कुछ आगे पहुंचे तभी किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया और परिजनों को सूचना दी। देर रात ही परिजन उन्हें अस्पताल से प्राथमिक उपचार के बाद अलीगढ़ मेडिकल कॉलेज ले गए। जहां दिन निकलते ही उनकी मौत हो गई। थाना प्रभारी ने बताया कि मामले में अभी कोई तहरीर नहीं मिली है।

भीम आर्मी और आजाद समाज पार्टी के पदाधिकारियों की ली गई समीक्षा मीटिंग

आज का मुद्दा -बुलंदशहर : आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय कोर कमेटी सदस्य एवं सहारनपुर मंडल प्रभारी इं०डी०पी०सिहं को सुनने के सैकड़ो पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता सुनहरा बौद्ध विहार बुलंदशहर में कार्यकर्ता पहुंचे कार्यक्रम का संचालन भीम आर्मी जिला अध्यक्ष डब्बू प्रधान ने किया। भीम आर्मी द्वारा एक प्रशिक्षण शिविर आयोजित की गई। जिसमें पहुंचे मुख्य अतिथि आजाद समाज पार्टी राष्ट्रीय कोर कमेटी सदस्य इं डी पी सिंह ने बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर के जीवन पर प्रकाश डाला। इस मौके पर जिला अध्यक्ष डब्बू प्रधान जिला मीडिया प्रभारी भारत विकास मंडल सचिव प्रियंका गौतम जिला उपाध्यक्ष गौतम प्रदेश संगठन मंत्री वीर सिंह गौतम मंडल संगठन सचिव शेखर गौतम सत्यदेव सिंह आदि पदाधिकारी मौजूद है।

हाईटेंशन तार की चिंगारी से ईख के खेत में लगी आग

आज का मुददा (लकी गौतम)-बुलंदशहर : आहार क्षेत्र के ग्राम खदाना में हाई टेंशन तार से निकली चिंगारी से ईख मे रविवार को करीब 4:00वजह आग लग गई। सूचना पर मौके पर पहुंचे ग्राम प्रधान व ग्रामीणों सहित पुलिस ने आग पर काबू पाया। रविवार की शाम लगभग 4:00 बजे खेत के ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन विद्युत तारों से निकली चिंगारी से आग लग गई।

थोड़ी ही देर में आग तेजी से फैलने लगी। जैसे ही आग लगने की सूचना खेत मालिक को मिली, खेत मालिक ग्राम प्रधान सहित सैकड़ो ग्रामीण व आहार थाना प्रभारी यंग बहादुर सिंह, जोगिंदर सिंह सनोज अजय पुलिस बल मौके पर पहुंचा और आनंन -फानन में आग को बुझाने में जुट गए। कुछ देर की कड़ी मसक्कत के बाद आगपर काबू पा लिया। लेकिन जब तक आग पर काबू पाया जाता तब तक 5 बीघा ईख की फसल में आग लगकर लाखो रुपए का नुकसान हो चुका था। वही प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा मौका मुआयना किया जा रहा है

महिला सेल प्रभारी बोबेश के समझौता कराने की हो रही चारों तरफ प्रशंसा

आज का मुद्दा (आशीष कुमार) बुलंदशहर पति पत्नी के विवाद दिन व दिन बढ़ते जा रहे हे लोग एक दूसरे के दुश्मन बनते जा रहे हे जैसे जैसे समाज बदलता जा रहा है वैसे-वैसे लोगों की मानसिकता भी बदल रही है और पति-पत्नी में आपसी मतभेद इतने ज्यादा बढ़ गए कि लोग थाने अदालतों के चक्कर काट रहे हैं आपसी विवाद इतनी ज्यादा बढ़ गए कि पति-पत्नी अलग रहने पर मजबूर हो रहे है ऐसे में हम

बात कर रहे है बुलंदशहर महिला सेल प्रभारी बोबेश और सब इंस्पेक्टर नीमा गौतम व उनकी महिला टीम कांस्टेबल कुसुम लता, हेड कांस्टेबल रीमा हेड कांस्टेबल पूजा रानी, हेड कांस्टेबल अनुराधा कांस्टेबल रिचा कांस्टेबल पुष्पा कांस्टेबल अमित,के साथ मिलकर रोजाना पति-पत्नी के समझौते कराकर लोगों के चेहरे पर खुशियां दे रही है और नफरतों को खत्म कर मोहब्बत में बदल रही हैं एक के बाद एक परिवार को आपस में समझौता करा कर मिला रही हैं आज भी महिला सेल प्रभारी बोबेश व सब इंस्पेक्टर नीमा उनकी टीम ने मनीषा और केशव थाना शिकारपुर बुलंदशहर व हीरा और पिंकी थाना गुलावटी बुलंदशहर इन दोनों परिवार के आपसी मतभेद खत्म कर कर दोनों परिवारों को किया साथ।

दूसरे समुदाय की छात्रा को अगवा कर ले गया दिलशाद, हिंदू संगठन के लोग पहुंचे गांव.. तनावपूर्ण स्थिति

उत्तर प्रदेश : सोनकपुर थाना क्षेत्र में रहने वाली 10वीं की छात्रा स्कूल जाते समय लापता हो गई। किशोरी के पिता ने गांव के ही दूसरे संप्रदाय के दिलशाद के खिलाफ अपहरण का आरोप लगाया है। छात्रा के अपहरण की जानकारी मिलने पर हिंदू संगठन के लोग गांव पहुंचे। मामला दो संप्रदायों के बीच का होने के कारण गांव में तनाव का माहौल है। पुलिस तैनात कर दी गई है। कई पुलिस टीमें छात्रा की तलाश में जुटी हैं। पीड़िता के पिता ने तीन दिन पहले सोनकपुर थाने में अज्ञात के खिलाफ अपहरण की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उसमें बताया कि उसकी 17 वर्षीय बेटी 10वीं कक्षा की छात्रा है। 11 फरवरी की सुबह वह घर से स्कूल जाने के लिए निकली थी लेकिन फिर घर नहीं लौटी। स्कूल जाने पर पता चला कि छात्रा स्कूल पहुंची ही नहीं थी। पुलिस अब तक छात्रा को बरामद नहीं कर पाई है। शुक्रवार को पीड़िता के पिता ने बिलारी सीओ को प्रार्थनापत्र दिया, जिसमें बताया कि गांव निवासी दूसरे संप्रदाय का दिलशाद बेटी का अपहरण कर ले गया है। कहा कि वह पहले से ही उसकी बेटी पर गलत नजर रखता था।

ई-रिक्शा चालक के परिवार पर जानलेवा हमला रिपोर्ट दर्ज

बुलंदशहर : डिबाई कोतवाली क्षेत्र के गांव भीमगढ़ी में दबंगों द्वारा ई-रिक्शा चालक और उसके परिवार पर जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। आधा दर्जन से अधिक हमलावरों ने लाठी-डंडों से हमला किया और घर में घुसकर जमकर तोड़फोड़ की। इस घटना में पांच लोग गंभीर रूप से घायल हुए, जिनमें से तीन को ज़िला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने चार आरोपियों को हिरासत में लिया है और मामले की जांच जारी है।पीड़ित मोहन सिंह, जो कि ई-रिक्शा चालक हैं, जिन्होंने अपनी शिकायत में बताया कि घटना 15 फरवरी की शाम करीब 7 बजे की है। जब वह दूध लेने निकले थे, तभी गांव के ही कुछ लोगों ने उन पर हमला कर दिया।आरोप है कि हमलावरों में कुदन सिंह,प्यारेलाल,

महेश, भीकमबर, विश्वबर, देवेंद्र, नेम सिंह और भूरा लाल शामिल थे। जब मोहन सिंह के परिवार वालों ने उन्हें बचाने की कोशिश की, तो आरोपियों ने उन पर भी हमला कर दिया। घटना के दौरान हमलावरों ने लाठी-डंडों से मारपीट की, जिससे मोहन सिंह और उनके परिवार के सदस्यों को गंभीर चोटें आईं। तीन घायलों की हालत नाजुक बनी हुई है और उन्हें ज़िला अस्पताल में भर्ती किया गया है। पीड़ित परिवार का कहना है कि आरोपियों ने घर में घुसकर न केवल हमला ही नही किया बल्कि घर में घुसकर तोड़फोड़ भी की गई है।

डिबाई कोतवाली पुलिस ने पीड़ित मोहन सिंह की शिकायत के आधार पर एफआईआर दर्ज कर ली है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को हिरासत में ले लिया है, जबकि बाकी की तलाश जारी है। इस घटना के बाद गांव में भय और आक्रोश का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि इस तरह की घटनाएं बढ़ रही हैं और प्रशासन को सख्त कदम उठाने चाहिए। पीड़ित परिवार ने भी पुलिस से निष्पक्ष जांच और आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।डिबाई क्षेत्र में हुई इस घटना ने इलाके में सनसनी फैला दी है। पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, लेकिन पीड़ित परिवार को अभी भी न्याय की उम्मीद है। प्रशासन पर दबाव बढ़ रहा है कि वह इस मामले में कठोर कार्रवाई करे ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

वृक्षारोपण कार्यक्रम को दे रहे हैं बढ़ावा- प्रमोद विद्रोही

आज का मुद्दा (पुष्पेंद्र कुमार) बुलंदशहर : जहाँगीराबाद रविवार को जहांगीराबाद अनूपशहर रोड पर स्थित नवयुग नर्सरी नगर क्षेत्र सहित ग्रामीण क्षेत्रों में भी वृक्षरोपड़ कार्यक्रम को बढ़ावा दे रही है नवयुग नर्सरी में सभी प्रकार के पौधे फलदार वे छायादार उपलब्ध रहते हैं जहां एक तरफ सरकार वृक्षारोपण कार्यक्रम को बढ़ावा दे रही है लेकिन आधुनिकता की दौड़ में व्यक्ति पेड़ पौधों को काटने पर लगा हुआ है इसी को देखते हुए समाजसेवी प्रमोद विद्रोही ने वृक्षरोपड़ कार्यक्रम को लेकर के संकल्प लिया हुआ है और

इसी के देखते हुए नवयुग नर्सरी की स्थापना की गई है उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक पेड़ पौधे लगाने की अपील की है चुकी नर्सरी रोड पर ही स्थित है जो भी व्यक्ति वहां से गुजर रहे होते हैं अनायास ही उनका ध्यान इस नर्सरी पर चला जाता है और नर्सरी में लगे पेड़ पौधों को देखकर के मन मुग्ध हो जाता है समाजसेवी प्रमोद विद्रोही ने अधिक से अधिक लोगों से वृक्षारोपण करने की अपील की है

प्रयागराज संगम स्टेशन 26 फरवरी तक के लिए बंद, भारी भीड़ उमड़ने के बाद रेलवे ने लिया फैसला

उत्तर प्रदेश : महाकुंभ मेले में उमड़ रही भारी भीड़ के चलते उत्तर मध्य रेलवे (एनसीआर) का प्रयागराज संगम रेलवे स्टेशन 26 फरवरी तक बंद कर दिया गया है। रेलवे ने पहले 14 फरवरी, फिर 16 फरवरी तक स्टेशन को बंद रखने निर्णय लिया था, लेकिन भीड़ का दबाव कम न होने पर स्टेशन को 26 फरवरी तक बंद करने का फैसला लिया गया। इस स्टेशन से ट्रेन पकड़ने वालों को अब फाफामऊ रलवे स्टेशन पर जाना पड़ेगा।

प्रयागराज जंक्शन पर रविवार की शाम भारी भीड़ उमड़ पड़ी। स्टेशन जाने वाले सभी रास्तों पर जाम लग गया। भारी भीड़ को देखते हुए महाकुंभ मेले के ध्वनि विस्तारक से यह सूचना प्रसारित करानी पड़ी कि प्रयागराज जंक्शन जाने वाले यात्री एक घंटे बाद ही जंक्शन जाएं, अभी वहां पर भारी भीड़ है। जो लोग जंक्शन से ट्रेन पकड़कर गंतव्य की ओर जाान चाहते हैं वह एक घंटे बाद ही जंक्शन पर पहुंचें।

सुबह से ही सभी स्टेशनों पर भारी भीड़ रही। प्रयागराज जंक्शन सहित सूबेदारगंज, फाफामऊ, छिवकी, रामबाग प्रयागराज, झूंसी और प्रयागराज जंक्शन पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखी गई। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने नैनी स्टेशन के बाहर का वीडियो अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर भी शेयर किया था। महाकुंभ मेले में त्रिवेणी मार्ग समेत कई जगहों पर रेलवे टिकट के रिजर्वेशन और और चालू टिकट की खरीद के लिए काउंटर भी बनाए गए हैं। रेलवे स्टेशन के अलावा बस स्टेशनों पर भी भारी भीड़ दिख रही है। रोडवेज के झूंसी स्थित अस्थाई बस स्टेशन पर गोरखपुर, सुल्तानपुर, जौनपुर, वाराणसी, मऊ, गाजीपुर सहित अन्य जनपदों के लिए जाने वालों की भारी भीड़ देखी गई। इसी तरह नेहरू पार्क स्थित अस्थायी बस स्टेशन पर कानपुर, खागा, फतेहपुर आदि स्थानों पर जाने के लिए यात्री परेशान रहे। फाफामऊ में प्रतापगढ़, लखनऊ, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, बस्ती, बहराइच और नैनी में चित्रकूट, महोबा, ललितपुर, झांसी, बांदा, रीवां, मिजार्पुर और मध्य प्रदेश देने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ स्टेशन पर जमा रही। कोई बस आते ही तुरंत भर जाती थी। दूसरे बस के इंतजार में यात्री घंटों परेशान रहे। रविवार को तेज धूप होने के कारण लोगों को और भी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

स्याना में विद्युत विभाग की घोर लापरवाही

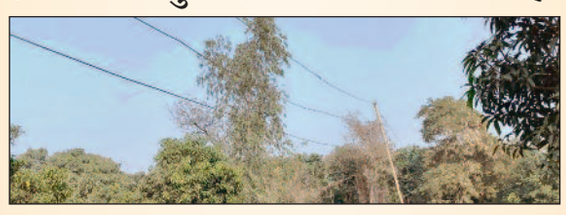

आज का मुद्दा (आशीष कुमार) बुलंदशहर : स्याना में बिजली विभाग की एक बड़ी लापरवाही सामने आई है, जहां विभागीय कर्मचारियों ने 440 वोल्ट की एलटी लाइन को सहारा देने के लिए विद्युत पोल की जगह लकड़ी का बांस लगा दिया है। यह गंभीर मामला किसान आबिद चौधरी के खेत में सामने आया, जहां से यह हाई वोल्टेज लाइन गुजर रही है। किसानों का कहना है कि यह बांस कभी भी टूट सकता है, जिससे जानलेवा हादसा हो सकता है। स्थानीय किसानों ने विभागीय अधिकारियों से कई बार शिकायत की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। आसपास के किसानों ने इस मामले में बड़े घोटाले की आशंका जताई है। उनका आरोप है कि सरकार लाखों रुपए विद्युत पोल के लिए खर्च करती है, लेकिन विभागीय कर्मचारी सस्ते बांस का इस्तेमाल कर रहे हैं।मामला सामने आने के बाद विद्युत विभाग के एक्सईएन ने जांच का आश्वासन दिया है। उन्होंने बांस को हटाकर तत्काल विद्युत पोल लगाने के निर्देश दिए हैं और दोषी कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई का भी आश्वासन दिया है। यह घटना विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करती है और जनता की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ का स्पष्ट उदाहरण है।

आपकी किचन में ही छुपे हैं सफलता और असफलता के राज

वास्तु के अनुसार चीजों व्यवस्थित न हो तो यह अपशगुन का कारण बनती हैं। ऐसे में घर की रसोई का विशेष ख्याल रखना चाहिए। किचन की दिशा के साथ ही साथ रसोई घर में काम आने वाले तमाम बर्तन भी शुभता और अशुभता का कारण हो सकते हैं। यदि उनका ठीक प्रकार से प्रयोग न किया जाए या फिर उसे उचित स्थान पर सही तरीके से न रखा जाए तो उसके परिणाम नुकसानदायक साबित हो सकते हैं। किचन के बर्तनों का सही तरह से प्रयोग न करने पर वे दरिद्रता का भी कारण बन सकती हैं।

वास्तु के अनुसार किचन में सबसे अधिक प्रयोग आने वाले बर्तनों में तवे का बहुत ज्यादा महत्व होता है। वास्तु के अनुसार तवा और कढ़ाई राहु का प्रतिनिधित्व करने वाले होते हैं। ऐसे में इनका प्रयोग करते समय विशेष ख्याल रखे जाने की जरूरत होती है। मसलन, तवे या कढ़ाई को कभी भी जूठा न करें ना ही उस पर जूठी सामग्री रखें। हालांकि किचन में जूठे हाथ से किसी भी बर्तन को नहीं छूना चाहिए और न ही वहां पर जूठीं सामग्री रखना चाहिए। किचन में पवित्रता का पूरा ख्याल रखना बहुत जरूरी होता है। घर के इस कोने में स्वच्छता का जितना ख्याल रखा जाएगा धन आगमन के रास्ते उतने ही आसान होंगे।

किचन में वास्तु से जुड़े नियम

रात को खाना बनाने के बाद तवे को हमेशा धो कर रखें। जब तवे का उपयोग न करना हो तो उसे ऐसी जगह पर रखें जहां से वह आम नजरों में न आ पाए। कहने का तात्पर्य उसे खुले में रखने की बजाए किसी आलमारी या दराज में रखें।

तवे या कढ़ाई को कभी भी उल्टा नहीं रखना चाहिए क्योकि तवा को उल्टा रखने से घर में राहु की नकारत्मक उर्जा का संचार होता है।

तवा और कढ़ाई को जहां पर खाना बनाते हों, उसकी दाईं ओर रखें क्योकि किचन के दाई ओर मां अन्नपूर्णा का स्थान होता है।

कभी भी भूलकर गर्म तवे पर पानी न डालें। वास्तु के अनुसार ऐसा करने पर घर में मुसीबतें आती हैं।

हत्याहरण तीर्थ सरोवर

यहां राम ने ब्रह्महत्या का पाप धोया था

हम आपको एक ऐसे सरोवर के बारे में बताने जा रहे हैं जिसमें स्नान करने के बाद आपके सारे पाप समाप्त हो जाते हैं और पुनः साफ-सुथरे मन से आप आगे का जीवन जीने के लिए अग्रसर हो सकते हैं। ऐसा हम नहीं कह रहे हैं, इस सरोवर से जुड़ी कथाएं व यहां के लोगों की आस्था इस बात का प्रतीक है कि इस सरोवर में नहाने से लोगों के पाप नष्ट हो जाते हैं। इस सरोवर से जुड़ी कथाओं की पुष्टि करने के लिए जब हम उत्तरप्रदेश की राजधानी लखनऊ से लगभग 150 किलोमीटर की दूरी पर बने ष पहुंचे, जो हरदोई जनपद की संडीला तहसील में पवित्र नैमिषारण्य परिक्रमा क्षेत्र में स्थित है। जब हम इस सरोवर के साक्षात दर्शन करने पहुंचे तो इस सरोवर से जुड़ी लोगों की आस्थाओं को देखकर एक बार विश्वास हो चला कि हो ना हो इस सरोवर में स्नान करने के बाद कहीं न कहीं पापों से मुक्ति मिल जाती है क्योंकि सरोवर में स्नान करने वालों की अपार भीड़ थी। इस सरोवर से जुड़ी कथाओं को जानने का प्रयास किया तो कई बातें सामने निकलकर आईं। सरोवर के पास पीढ़ियों से फूलमालाओं का काम करने वाले 80 साल के जगन्नाथ से इस सरोवर से जुड़ी बातों को जानना चाहा तो जगन्नाथ ने बताया की पौराणिक बातों में कितनी सत्यता है, इसकी पुष्टि तो वे नहीं करते लेकिन जो वह बताने जा रहे हैं, इसके बारे में उन्होंने अपने पिताजी से सुना था। उन्होंने कि कहा जब मैं अपने पिताजी के साथ इस सरोवर पर फूल बेचने के लिए आता था तो मैंने एक दिन अपने पिता से पूछा कि यहां पर इतने सारे लोग क्या करने आते हैं तो उन्होंने मुझे बताया कि हजारों वर्ष पूर्व जब भगवान राम ने रावण का वध कर दिया था तो उन्हें ब्रह्महत्या का दोष लग गया था। उस पाप को मिटाने के लिए भगवान राम भी इस सरोवर में स्नान करने आए थे। इस सरोवर के निर्माण के बारे में शिव पुराण में वर्णन है कि माता पार्वती के साथ भगवान भोलेनाथ एकांत की खोज में निकले और नैमिषारण्य क्षेत्र में विहार करते हुए एक जंगल में जा पहुंचे। वहां पर सुरम्य जंगल मिलने पर तपस्या करने लगे। तपस्या करते हुए माता पार्वती को प्यास लगी। जंगल में कहीं जल न मिलने पर उन्होंने देवताओं से पानी के लिए कहा तब सूर्य देवता ने एक कमंडल जल दिया। देवी पार्वती ने जलपान करने के बाद शेष बचे जल को जमीन पर गिरा दिया। तेजस्वी पवित्र जल से वहां पर एक कुंड का निर्माण हुआ और जाते वक्त भगवान शंकर ने इस स्थान का नाम प्रभास्कर क्षेत्र रखा।

यह कहानी सतयुग की है। काल बीतते रहे द्वापर में ब्रम्हा द्वारा अपनी पुत्री पर कुदृष्टि डालने पर पाप लगा। उन्होंने इस तीर्थ में आकर स्नान किया तब वे पाप मुक्त हुए। जगन्नाथ ने बताया कि तब से यहां पर मान्यता चली आ रही है की जो इस स्थान पर आकर स्नान करेगा वह पाप मुक्त हो जाएगा। हत्या मुक्त हो जाएगा। यहां पर राम का एक बार नाम लेने से हजार नामों का लाभ मिलेगा। तब से आज तक लोग यहां इस पावन तीर्थ पर आकर हत्या, गोहत्या एवं अन्य पापों से मुक्ति पा रहे हैं।

मंत्र जपने के चमत्कारिक फायदे

मंत्रयोग या जपयोग के चमत्कार के संबंध में शास्त्रों में ढेर सारे उल्लेख मिलते हैं। वेदों में उल्लेख है कि विशेष प्रकार के मंत्रों से विशेष तरह की शक्ति उत्पन्न होती है। अनेक परिक्षणों से यह सिद्ध हो गया है कि मंत्रों में प्रयोग होने वाले शब्दों में भी शक्ति होती है। मंत्रों में प्रयोग होने वाले कुछ ऐसे शब्द हैं, जिन्हे 'अल्फा वेव्स' कहते हैं। मंत्र का यह शब्द 8 से 13 साइकल प्रति सैकेंड में होता है और यह ध्वनि तरंग व्यक्ति की एकाग्रता में भी उत्पन्न होती है। इन शब्दों से जो बनता है, उसे मंत्र कहते हैं। मंत्रों के जप करने से व्यक्ति के भीतर जो ध्वनि तरंग वाली शक्ति उत्पन्न होती है, उसे ही जपयोग या मंत्र योग कहते हैं। शास्त्र अनुसार 'ज' का अर्थ जन्म का रुक जाना और 'प' का अर्थ पाप का नष्ट हो जाना। किसी भी मंत्र को बार बार जपने से कई तरह के चमत्कारि घटित होते हैं। आओ जानते हैं 5 चमत्कारिक फायदे।

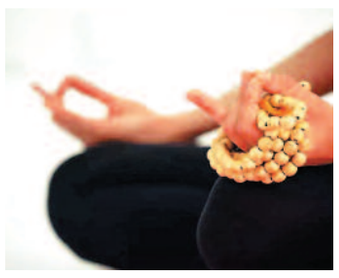

बढ़ती एकाग्रता मानसिक - शक्ति : मंत्र का अर्थ होता है मन को एक तंत्र में बांधना। जब मन एक तंत्र में बंध जाता है तो व्यक्ति मानसिक रूप से शक्तिशाली बन जाता है और इससे एकाग्रता भी बढ़ जाती है। अच्छे विचार, मंत्र और भगवान का बार-बार जप करने या ध्यान करते रहने से व्यक्ति की मानसिक शक्ति बढ़ती जाती है। मानसिक शक्ति के बल पर ही व्यक्ति सफल, स्वस्थ और शक्तिशाली महसूस कर सकता है। मंत्र के द्वारा हम खुद के मन या मस्तिष्क को बुरे विचारों से दूर रखकर उसे नए और अच्छे विचारों में बदल सकते हैं। लगातार अच्छी भावना और विचारों में रत रहने से जीवन में हो रही बुरी घटनाएं रुक जाती है और अच्छी घटनाएं होने लगती है।

देवताओं से जुड़ता संबंध - अपने ईष्ट या किसी शक्तिशाली मंत्र का निरंतर जप करने से व्यक्ति ईधर माध्यम की सकारात्मक ऊर्जा और शक्तियों से जुड़ जाता है। मंत्र से किसी देवी या देवता को साधा जाता है, मंत्र से किसी भूत या पिशाच को भी साधा जाता है और मंत्र से किसी यक्षिणी और यक्ष को भी साधा जाता है। 'मंत्र साधना' भौतिक बाधाओं का आध्यात्मिक उपचार है। यदि आपके जीवन में किसी भी प्रकार की समस्या या बाधा है तो उस समस्या को मंत्र जप के माध्यम से हल कर सकते हैं।

प्राप्त होती सिद्धि -किसी भी मंत्र को प्रातिदिन निरंतर जपते रहने से सिद्धियों का द्वार खुल जाता है। जागृत, स्वप्न और सुषुप्ति तीनों ही अवस्था में व्यक्ति जागा हुआ हो जाता है। जपयोग व्यक्ति के अवचेतन को जाग्रत कर उसे दिव्य दृष्टि प्रदान करता है। ऐसा व्यक्ति स्वयं को किसी भी रूप में स्थापित करने में सक्षम हो जाता है। इससे व्यक्ति टेलीपैथिक और परा मनोविज्ञान में पारंगत हो सकता है।

सूक्ष्म शरीर को सक्रिय करते हैं मंत्र -निरंतर मंत्र जप करने से ध्वनि तरंग उत्पन्न होती है, उससे शरीर के स्थूल व सूक्ष्म अंग तक कंपित होते हैं। इसके कारण व्यक्ति का सूक्ष्म शरीर सक्रिय होकर शक्तिशाली परिणाम देना प्रारंभ कर देता है।

मिटते हैं शोक- जब व्यक्ति बहुत व्यग्र या चिंतित रहता है तो तरह-तरह के नकारात्मक विचारों से घिर जाता है और पहले की अपेक्षा परिस्थितियों को और संकटपूर्ण बना लेता है। ढेर सारे विचारों से बचने के लिए किसी भी मंत्र का जप करते रहने से मन में विश्वास और सकारात्मक ऊर्जा का विकास होता है। इससे शोक और संताप मिट जाता है। यह व्यक्ति को मानसिक रूप से शांत कर देता है। यदि आप सात्विक रूप से निश्चित समय और निश्चित स्थान पर बैठक मंत्र प्रतिदिन मंत्र का जप करते हैं तो आपके मन में आत्मविश्वास बढ़ता है साथ ही आपमें आशावादी दृष्टिकोण भी विकसित होता है जो कि जीवन के लिए जरूरी है।

पाखंड और अंधविश्वास से बचा सकती है ऐसी सोच

आप किसी भी शहर में हों, आपको सुनने को मिलेगा कि कोई अलौकिक बाबा, योगपुरुष या फकीर का आगमन इस शहर में हो रहा है। उनके दर्शन या स्पर्श मात्र से असाध्य से असाध्य बीमारियां पलक झपकते ही गायब हो जाती हैं। इच्छुक व्यक्ति के मिलने के लिए बाबाओं के सारे अते-पते के पैंफ्लेट शहर की दीवारों पर चिपके मिलते हैं। बाबाओं को मालूम है कि हमारे यहां समस्याग्रस्त लोगों की कमी नहीं है। एक ढूंढो, लाख मिल जाते हैं।एक बार मैं भी आजमाने के खयाल से मुंबई में एक बाबा से मिलने चला गया। लेकिन वह मुझसे नाराज इसलिए हो गए क्योंकि मैंने उन्हीं की बात को दोहराते हुए कह दिया कि जब ईश्वरीय इच्छा से सब कुछ होना है तो फिर लोग आपके पास क्यों आएं वे खुद भगवान से अपने अच्छे दिन के लिए प्रार्थना करेंगे। अनेक असाध्य रोगियों से उन्हें कहते हुए सुना कि यह केस वे नहीं ले सकते क्योंकि ईश्वर की इच्छा के विरुद्ध जाना होगा। इसका सीधा मतलब है कि उनका पाखंड जहां चल जाता है, वे वहां अपना धंधा करने में कामयाब हो जाते हैं। असाध्य रोगियों पर ईश्वर की इच्छा लाद देते हैं। यह सिर्फ एक घटना नहीं, बल्कि हमारे देश में होने वाली घटनाओं की लंबी शृंखला की एक कड़ी है।कहीं भभूति, कहीं स्पर्श मात्र से तो कहीं मंत्र से शुद्ध किया हुआ पानी पिलाने से समस्याओं और रोगों को ठीक करने की गारंटी कब से दी जाती रही है। आजकल योग-ध्यान का विज्ञापन भी इसी सस्ती भूमिका पर उतर आया है। कोई यह सोचने के लिए तैयार नहीं है कि भारत में जब इतने महात्मा, बाबा और योगीजन बीमारियों से मुक्त करने का दावा कर रहे हैं तो बड़े-बड़े अस्पतालों, डॉक्टरों और इन पर होने वाले भारी भरकम खर्च की क्या जरूरत है लेकिन जब हम इनके जीवन के भीतर झांकते हैं तो तस्वीर का एक दूसरा बड़ा ही दयनीय और निराशाजनक पहलू सामने आता है। दूसरों को रोगमुक्त करने वाला खुद डॉक्टरों की शरण में होता है।आज शरीर-शास्त्री तथा चिकित्सा-विज्ञान के पंडित इस तथ्य से सहमत हैं कि अधिकांश रोगों का कारण हमारा मन है। मानसिक आवेग और उद्वेग बहुत प्रकार के रोगों को जन्म देते हैं। कुछ रोग आज के व्यस्तता बहुल वातावरण से उत्पन्न दबावों और तनावों की वजह से होते हैं। ये रोग मनोवैज्ञानिक हैं, इसलिए इनका इलाज भी उसी भूमिका पर होना आवश्यक होता है। इसी का फायदा बाबा उठा लेते हैं। आस्थाशील लोग एक मनो-विभ्रम से निकलकर दूसरे मनो-विभ्रम में पड़ जाते हैं। चूंकि यह सुखद विभ्रम होता है इसलिए साधारण आदमी के लिए यह चमत्कार बन जाता है। एक कथित चमत्कारिक घटना को आधार बनाकर दस नई कथाओं को खड़ा करने में भक्त लोग माहिर होते हैं। इस तरह यह सिलसिला आगे चलता रहता है।सुशिक्षित, बुद्धिमान लोग भी इनकी गिरफ्त में आ जाते हैं। लेकिन आज इस स्थिति का मनोवैज्ञानिक विश्लेषण होना आवश्यक है। तभी पाखंडों और अंधविश्वासों को पनपने से रोका जा सकता है। श्रद्धा का शोषण शताब्दियों से किया जाता रहा है और आज भी हो रहा है। इन स्थितियों को समझने के साथ-साथ मनो-विभ्रम से भी निकलना बहुत जरूरी है।

इस मंदिर में मूर्तियों से निकलती हैं आवाजें

कहते हैं कि पत्थर में भी जान होती है। निश्चित ही मूर्ति एक पत्थर की होती है, लेकिन जिस भी देवी या देवता की यह मूर्ति बनाई गई है उन देवी या देवताओं के अस्तित्व और उनकी शक्ति को नहीं नकारा जा सकता। आए दिन देवी या देवता अपने होने का अहसास कराते रहते हैं। इसी अहसास को चमत्कार कहा जाता है। ऐसा ही एक चमत्कार बिहार के बक्सर में स्थित देवी के एक मंदिर में देखने को मिला। यहां आकर आपको दुर्गा शक्ति के होने पर यकीन हो जाएगा क्योंकि यहां की मूर्तियां आपसे बात करती है। जब वैज्ञानिकों ने इसकी खोज की तो उन्होंने भी इस बात से इनकार नहीं किया। यह मंदिर 400 वर्ष पुराना है। प्रसिद्ध तांत्रिक भवानी मिश्र ने करीब 400 वर्ष पहले इस मंदिर की स्थापना की थी। तब से आज तक इस मंदिर में उन्हीं के परिवार के सदस्य पुजारी बनते रहे हैं। तंत्र साधना से ही यहां माता की प्राण प्रतिष्ठा की गई है। दरअसल, तंत्र साधना के लिए प्रसिद्ध बिहार के इस इकलौते राज राजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी मंदिर में यहां पर किसी के नहीं होने पर आवाजें सुनाई तेती हैं। इस मंदिर में दस महाविद्याओं काली, त्रिपुर भैरवी, धुमावती, तारा, छिन्न मस्ता, षोडसी, मातंगड़ी, कमला, उग्र तारा, भुवनेश्वरी की मूर्तियां स्थापित हैं। इसके अलावा यहां बंगलामुखी माता, दत्तात्रेय भैरव, बटुक भैरव, अन्नपूर्णा भैरव, काल भैरव व मातंगी भैरव की प्रतिमा स्थापित की गई है। यहां साधना करने वाले हर साधकों की हर तरह की मनोकामना पूर्ण होती है। देर रात तक साधक इस मंदिर में साधना में लीन रहते हैं। मंदिर में प्रधान देवी राज राजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी है।

तांत्रिकों की आस्था इस मंदिर के प्रति अटूट है। कहा जाता है कि यहां किसी के नहीं होने पर भी कई तरह की आवाजें सुनाई देती हैं। राज राजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी मंदिर की सबसे अनोखी मान्यता यह है कि निस्तब्ध निशा में यहां स्थापित मूर्तियों से बोलने की आवाजें आती हैं। मध्य-रात्रि में जब लोग यहां से गुजरते हैं तो उन्हें आवाजें सुनाई पड़ती हैं। वैज्ञानिकों की मानें, तो यह कोई वहम नहीं है। इस मंदिर के परिसर में कुछ शब्द गूंजते रहते हैं। यहां पर वैज्ञानिकों की एक टीम भी गई थी, जिन्होंने रिसर्च करने के बाद कहा कि यहां पर कोई आदमी नहीं है। इस कारण यहां पर शब्द भ्रमण करते रहते हैं। वैज्ञानिकों ने यह भी मान लिया है कि हां पर कुछ न कुछ अजीब घटित होता है, जिससे कि यहां पर आवाज आती है। मानो या न मानो यह एक चमत्कार ही है कि यहां अजीब तरह के आवाजें आती है जो कि किसी मानव की आवाजों की तरह की है। माना जाता है कि संपूर्ण अखंड भारत में जहां भी माता के शक्तिपीठ हैं वे सभी जागृत और सिद्ध शक्तिपीठ हैं। मुगलों ने देश के कई मंदिरों को ध्वस्त किया लेकिन वे इन शक्तिपीठों को कभी खंडित नहीं कर पाए। ऐसा दुस्साहस करने वाले काल के मुख में समा गए हैं। उदाहणणार्थ माता हिंगलाज और माता ज्वालादेवी का शक्तिपीठ।

आर्य समाज मंदिर में लगाया गया एक परिवार एक पहचान पत्र शिविर

आज का मुद्दा-हापुड़। हापुड़ में आर्य समाज मंदिर में रविवार को एक परिवार एक पहचान पत्र का शिविर लगाया गया। जिसमें 40 से अधिक परिवारो द्वारा सफलतापूर्वक पहचान पत्र बनवाए गए। हापुड़ के आर्य समाज मंदिर में रविवार को प्रातः सत्संग के पश्चात 10 बजे से एक परिवार एक पहचान पत्र का शिविर उत्तर प्रदेश सरकार के द्वारा प्रांगण में लगाया गया। जिसमें नगर की महिलाओं और पुरुषो ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। इस शिविर में 40 से अधिक परिवारों द्वारा सफलतापूर्वक पहचान पत्र बनवाए गए। इसमें सरकारी अधिकारियों के साथ उप प्रधान सुरेंद्र कबाड़ी, सुरेश सिंगल (जनरेटर वाले), कोषाध्यक्ष अमित शर्मा, विजेंद्र कुमार गर्ग लोहे वाले, मंत्री संदीप आर्य आदि व्यवस्था में उपस्थित रहे।

खेत से नाबालिग लड़की का अपहरण, पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा, जल्द बरामदगी का दिया आश्वासन

आज का मुद्दा-हापुड़। 12 फरवरी को एक चौंकाने वाली घटना में, एक नाबालिग लड़की का उसी गांव के एक युवक द्वारा अपहरण कर लिया गया। पीड़िता अपनी मां के साथ खेत पर गई थी, जहां से आरोपी युवक उसे जबरन ले गया। घटना की जानकारी मिलते ही पीड़िता के पिता ने परिजनों के साथ आसपास के क्षेत्रों में तलाश की, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। इसके बाद उन्होंने स्थानीय थाने में शिकायत दर्ज कराई। सर्किल ऑफिसर जितेंद्र कुमार शर्मा ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई की। उन्होंने बताया कि आरोपी युवक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और पुलिस टीमें नाबालिग की बरामदगी के लिए लगातार छापेमारी कर रही हैं। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर नाबालिग को सकुशल बरामद कर लिया जाएगा। पुलिस सूत्रों के अनुसार, क्षेत्र में विशेष टीमें गठित की गई हैं और आरोपी के संभावित ठिकानों पर निगरानी रखी जा रही है। मामले की गंभीरता को देखते हुए उच्च अधिकारियों ने भी जल्द से जल्द मामले के खुलासे के निर्देश दिए हैं।

जिला पंचायत की हुई बोर्ड बैठक, 14.50 करोड़ के प्रस्ताव हुए निरस्त

आज का मुद्दा-हापुड़। जिला पंचायत की बोर्ड बैठक शनिवार को अध्यक्ष रेखा नागर की अध्यक्षता मेंमें हुई, जिसमें जमीन न मिलने व अन्य समस्याओं के कारण उत्पन्न हुई विवादकी स्थिति को देखते हुए 14.50 करोड़ रुपये के 16 विकास कार्य के प्रस्तावनिरस्त किए गए। बैठक में पांच में से चार प्रस्ताव पास हुए। बैठक में वार्ड-9 के जिला पंचायत सदस्य अर्जुन जाटव नेजिला पंचायत अध्यक्ष पर भेदभाव का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि असौड़ा मेंडा.बीआर आंबेडकर प्रतिमा से छोटी पुलिया तक नाला निर्माण व चार-पांचखड़ंजों का प्रस्ताव देने के बाद भी निर्माण में शामिल नहीं किया गया।वहीं, सदस्य सतीश प्रमुख व सुमित सिसोदिया ने कहा कि जिला पंचायत की कचहरीस्थित मार्केट है, इसमें कुछ दुकानदारों ने एक दुकान के दो हिस्से करअलग-अलग दुकान बना ली हैं। विभाग के अमीन निरीक्षण करने जाते हैं और कोईकार्रवाई नहीं होती हैं। जिस पर एएमए आरती मिश्रा ने मामले की जांच कराकरकार्रवाई की बात कही। प्रदेश सरकार में स्वतंत्र प्रभार राज्यमंत्रीनरेंद्र कश्यप, जिले के प्रभारी मंत्री कपिल देव अग्रवाल, सदर विधायकविजयपाल आढ़ती ने जिला पंचायत को तीन से चार सड़कों के निर्माण का प्रस्तावदिया था, लेकिन इन प्रस्तावों पर सदस्यों की सहमति न बन पाने के कारणनिरस्त कर दिया गया। बैठक में ब्लॉक प्रमुख निशांत सिसोदिया, अशोक बबली, शीतल, सीएमओ डा.सुनील त्यागी आदि उपस्थित रहे।

पुलिस ने लापता मूकबधिर बच्चे को परिजन से मिलवाया

आज का मुद्दा-हापुड़। ऑपरेशन स्माइल अभियान के अन्तर्गत थाना कपूरपुर पुलिस ने अपने घर (जनपद गौतमबुद्धनगर) से रास्ता भटक कर थाना क्षेत्र मे रोते बिलखते घूम रहे मूकबधिर बच्चे को अथक प्रयास के बाद उसके परिजनो से मिलाया। जानकारी के अनुसार शनिवार को कपूरपुर पुलिस को गस्त के दौरान ग्राम समाना में एक मासूम बच्चा रोता-बिलखता दिखाई दिया, जिससे जानकारी करनी चाही तो बच्चा मूकबधिर होने के कारण कुछ बोल नही पा रहा था। हापुड़ पुलिस द्वारा जनपद में चलाए जा रहे ऑपरेशन समाइल अभियान के अंतर्गत थाना कपूरपुर पुलिस ने अपने घर से रास्ता भटक कर थाना क्षेत्र में रोते बिलखते घूम रहे मूकबधिर मासूम बच्चे को अथक प्रयास के बाद परिजनो से मिलाया। बच्चे के परिजनो ने बताया कि हमारा बच्चा मूकबधिर है, जो अपने घर (जनपद गौतमबुद्धनगर) से बाहर गया था, उसके बाद घर नही आया तथा हम लोगों ने काफी स्थानों पर तलाश भी किया था लेकिन इसका कही पता नही चल पा रहा था। तभी थाना कपूरपुर पुलिस द्वारा संपर्क किया गया और हमारे बच्चे को हमारे सुपुर्द किया गया है। अपने बच्चे से मिलकर परिजनो द्वारा हापुड़ पुलिस का आभार प्रक्ट करते हुए भूरि-भूरि प्रशंसा की गई।

बोलेरो और बस टकराई, 15 लोग घायल, चार रेफर

उत्तर प्रदेश : चित्रकूट से सवारियां लेकर बिसंडा से बबेरू होकर जा रही फतेहपुर डिपो की बस रविवार की दोपहर सामने से आ रही बोलेरो से टकरा गई। इसके बाद बस सड़क किनारे पेड़ से भिड़ गई। हादसे में बस और बोलेरो दोनो क्षतिग्रस्त हो गईं। बस में सवार 15 लोग घायल हो गए। हादसे के बाद बोलेरो सवार भाग निकले। घायलों को बिसंडा पीएचसी पहुंचाया गया। फतेहपुर डिपो की बस कर्वी से बिसंडा होकर फतेहपुर जा रही थी। रविवार को दोपहर करीब एक बजे बिसंडा थाना क्षेत्र के कैरी बस स्टाप के पास कैरी गांव की ओर से आ रही बोलेरो से बस टकरा गई। इसके बाद बेकाबू बस शीशम के पेड़ में जा घुसी। हादसे में बस चालक सुल्तानपुर निवासी शशी बिंद पाठक (45), पवैया गांव निवासी लक्ष्मी (42), पुत्र बलबीर (7), चित्रकूट के राजा भैया (30), बृजेश (26), गहबरथोक बिसंडा निवासी फूलचंद (35), पप्पू (32), पहाड़ी चित्रकूट निवासी संदीप कुमार (25) समेत 15 लोग घायल हो गए। घायलों को बिसंडा पुलिस ने बिसंडा पीएचसी पहुंचाया। शशीबिंद पाठक, लक्ष्मी, बलबीर व राजा भैया को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। सात अन्य घायलों का इलाज कर छुट्टी दे दी गई।

बिप्लब देब ने प्रबुद्धजनों और मध्यम वर्ग के लोगों से बजट पर किया संवाद

चंडीगढ़/फरीदाबाद, 17 फरवरी। (शशि किरण अरोड़ा)- आज का मुद्दा--केंद्रीय बजट 2025-26 पर भाजपा कार्यालय अटल कमल में प्रबुद्धजनों और मध्यम वर्ग के लोगों के साथ रविवार को त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री एवं लोकसभा सांसद बिप्लब कुमार ने संवाद किया। यहां उन्होंने बजट को विकसित भारत के संकल्प और गरीबों के सपनों को साकार करने वाला बताया। उन्होंने कहा कि यह बजट आर्थिक विकास और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक मजबूत कदम है। देब ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है। मोदी सरकार ने 12 लाख रुपये तक की आय को टैक्स फ्री करके मध्यम वर्गीय परिवारों को बड़ा तोहफा दिया है। परिचर्चा में श्री देब ने प्रबुद्धजनों और मध्यम वर्ग के लोगों के बजट पर विचार सुनें और उनको बजट की विस्तृत जानकारी दी। इससे पूर्व पत्रकारों से बातचीत करते हुए बिप्लब कुमार देब ने बजट के महत्वपूर्ण बिंदुओं को उनके सामने रखा। पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए देब ने विपक्ष के नेताओं तंज भी कसे। उन्होंने कहा कि देश की विडम्बना है कि विपक्ष में ऐसे-ऐसे लीडर अधिक हैं जो बिना पढ़े बजट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हैं।

बिप्लब कुमार देब ने कहा कि केंद्रीय बजट 2025-26 देश के भविष्य का बजट है। न्यूक्लियर पॉवर के लिए 20 हजार करोड़ रुपये की व्यवस्था करना समृद्धशाली और विकसित भारत को दशार्ता है। उन्होंने कहा कि बजट में 10.1 प्रतिशत ग्रोथ रेट दिखाना मोदी सरकार का साहसिक कदम है। मोदी सरकार ने बजट में युवा, किसान, महिला और गरीबों के उत्थान के लिए अनेकों साहसिक कदम उठाए हैं। किसानों के क्रेडिट कार्ड की

केसीसी ऋण सीमा 3 लाख से बढ़ाकर 5 लाख की जिससे किसानों को काफी राहत मिलेगी। बिप्लब कुमार देब ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जो काम करते हैं उसके रिज्ल्ट भी सभी के सामने दिखते हैं। देश में तीन नए यूरिया प्लांट लगाने का लक्ष्य सरकार ने रखा है इससे करोड़ों किसान लाभान्वित होंगें।

हरियाणा भाजपा के पूर्व प्रदेश प्रभारी बिप्लब कुमार देब ने हरियाणा के विषय में बोलते हुए यूपीए की सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि यूपीए की सरकार ने 2014 तक हरियाणा को 21 हजार 564 करोड़ रुपये दिए, जबकि मोदी सरकार ने 78 हजार 345 करोड़ रुपये दिए जो यूपीए की सरकार से 263 प्रतिशत ज्यादा है। मोदी सरकार ने मेडिकल साइंस में एक साल में 10 हजार सीट बढ़ाने का लक्ष्य रखा है जो अगले पांच साल में 75 हजार हो जाएंगी। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार शिक्षा के क्षेत्र को लेकर काफी सजग है। आजकल इंटरनेट का जमाना है, इसलिए सरकार ने ब्रॉडबैंड की सुविधाएं स्कूलों तक पहुंचाने की बात कही है। श्री देब ने कहा कि यह बजट रोजगार देने वाला, भारत की इकोनोमी को शक्तिशाली बनाने वाला बजट है जो 5 ट्रिलियन की इकोनामी बनाने को दशार्ता है। पीएम मोदी का स्वच्छ भारत का मतलब करप्शन फ्री भारत देना है।

पत्रकार के सवाल पर बिप्लब कुमार देब ने कहा कि देश में कम्यूनिस्टों का शासन लंबे समय रहा और दुर्भाग्य है कि पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू भी कम्यूनिस्ट विचारधारा से प्रभावित थे। कांग्रेस ने गरीब की परिभाषा जिस तरह से दी उसी को लेकर देश आगे बढ़ा। अब प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में गरीब, मध्यम वर्ग लगाकार समृद्ध और सशक्त बन रहा है। मोदी सरकार कोरोना काल से ही गरीब लोगों को 5 किलो अनाज व अन्य खाद्य सामग्री प्रति व्यक्ति फ्री दे रही है। बिप्लब कुमार देब ने कहा कि सरकार ने जिलों में कैंसर अस्पताल खोलने का लक्ष्य रखा है। बजट में सरकार ने 36 जीवनदायी दवाईयों से कस्टम ड्यूटी हटाई है ताकि गरीब लोगों को राहत मिल सके।

इस मौके पर हरियाणा सरकार खाद्य मंत्री राजेश नागर, विधायक मूलचंद शर्मा, पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल, जिला अध्यक्ष राजकुमार वोहरा, जिला प्रभारी नरेन्द्र वत्स, पूर्व जिला अध्यक्ष गोपाल शर्मा, जिला महामंत्री सुरेन्द्र जांगड़ा, जिला मीडिया प्रभारी विनोद गुप्ता, मीडिया सह प्रभारी राज मदान, आभास अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

बहराइच रढ ने थानाध्यक्षों के साथ की समीक्षा बैठक, बोले-अपराध पर अंकुश के लिए भ्रमणशील रहे पुलिस

ब्यूरो रिपोर्ट दिलशाद अहमद आज का मुद्दा

बहराइच, शहर के पुलिस लाइन में रविवार को पुलिस अधीक्षक ने थानाध्यक्षों के साथ समीक्षा बैठक की। समीक्षा के दौरान पुलिस अधीक्षक ने वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक राम नयन सिंह ने कहा कि पीड़ितों को शीघ्र और प्रभावी न्याय दिलाने हेतु बेहतर पुलिसिंग आवश्यक है। जिसके दृष्टिगत समस्त थाना प्रभारियों को निर्देशित किया कि थाने पर आने वाले प्रत्येक पीड़ित के साथ सम्मानजनक व्यवहार किया जाए और उनकी शिकायतों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण हेतु रात्रि गश्त को नियमित और प्रभावी बनाने पर विशेष जोर दिया जाए। थानों पर लंबित विवेचनाएं, विशेषकर एससी/एसटी एक्ट, महिला संबंधी अपराध, पॉक्सो एक्ट आदि की समीक्षा की गई तथा कार्य योजना बनाकर गुण-दोष के आधार पर विवेचनाओं के शीघ्र निस्तारण

करने, विशेष रूप से वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित कर उनके विरुद्ध कानूनी कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया गया औरपॉक्सो एक्ट, महिला संबंधी अपराधों में अपराधियों को कड़ी सजा दिलाने हेतु प्रभावी पैरवी करने के निर्देश भी दिए गए। एसपी ने समस्त थाना प्रभारियों को जनप्रतिनिधियों से संवाद बनाए रखने तथा थाना क्षेत्र के सभी ग्राम प्रधानों, संभ्रांत व्यक्तियों, ग्राम प्रहरियों, पुलिस मित्रों आदि के साथ समय-समय पर गोष्ठी आयोजित कर आपसी समन्वय स्थापित करने सहित थाना क्षेत्र में अवैध शराब, खनन, चोरी, पशु तस्करी, अवैध शस्त्र तस्करी आदि अपराधों में संलिप्त अपराधियों के विरुद्ध अभियान चलाकर वैधानिक कार्यवाही किए जाने के लिए निर्देशित किया गया।

गोष्ठी के दौरान पुलिस अधीक्षक ने अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध अभियान की समीक्षा की। चोरी/नकबजनी, एनबीडब्ल्यू व विवेचना निस्तारण हेतु 15 दिवसीय अभियान चलाए जाने के निर्देश दिए। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक नगर रामानंद कुशवाहा, सभी पुलिस क्षेत्राधिकारी और थानाध्यक्ष मौजूद रहे।

देश के संस्कारों का आधार है संस्कृत : राजकुमार मक्कड़

श्रीमाता मनसा देवी राजकीय संस्कृत महाविद्यालय पञ्चकूला ने राष्ट्रस्तरीय ज्योतिष-कार्यशाला का किया आयोजन

पंचकूला, 17 फरवरी - (शशि किरण अरोड़ा) - आज का मुद्दा--श्रीमाता मनसा देवी राजकीय संस्कृत महाविद्यालय, पञ्चकूला द्वारा आयोजित सप्तदिवसीय आभासीय (Online) राष्ट्रस्तरीय ज्योतिष्म कार्यशाला के समापन सत्र का ऑनलाइन आयोजन किया गया। इस समापन सत्र में बतौर मुख्यातिथि राष्ट्रपतिसम्मान से सम्मानित राजकुमार मक्कड़, पूर्व आयुक्त दिव्यांगजन, हरियाणा सरकार उपस्थित रहें। कार्यक्रम का प्रारम्भ सरस्वती वन्दना से हुआ।

मुख्यातिथि ने कहा कि हरियाणा संस्कृत एवं संस्कारों की धरती है। इस धरा पर हरियाणा सरकार के द्वारा संस्कृत के उत्थान के लिए महर्षि वाल्मीकि संस्कृत विश्वविद्यालय कैथल व श्रीमाता मनसा देवी राजकीय संस्कृत महाविद्यालय पंचकूला की स्थापना किया जाना एक सराहनीय प्रयास है। संस्कृत भारत के संस्कारों का आधार है। गीता की पावनधरा

हरियाणा से इस प्रकार के ज्ञान यज्ञ का आयोजन प्रशंसनीय है। उन्होंने महाविद्यालय के इस तरह के आयोजनों की सराहना करते हुए कहा कि यह महाविद्यालय भारत की प्राच्य विद्या के संरक्षण एवं प्रचार-प्रसार में महती भूमिका निभा रहा है। अपने सम्बोधन में मुख्यातिथि ने प्रतिभागियों से संस्कृत एवं ज्योतिष शास्त्र को जनझजन तक पहुंचाने की अपील की। राष्ट्रीय कार्यशाला के संयोजक डॉ. सुनीलकुमार ने बताया कि इस राष्ट्रीय कार्यशाला में सम्पूर्ण भारत से आभासीय माध्यम से 100 प्रतिभागी भाग लिया है एवं संसाधक (रिसोर्स पर्सन) के रूप में डॉ कृष्ण चन्द्रशास्त्री , श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,नई दिल्ली से डॉ. देशबन्धु, डॉ. बृजमोहन, डॉ. जगदीश, महर्षि वाल्मीकि संस्कृत विश्वविद्यालय, मूदंडी से डॉ. नरेशदत्त, डॉ. नवीन शर्मा ने प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया। प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र ईमेल माध्यम से भेजे जाएंगे। इस उद्घाटन सत्र में प्राचार्या रीटा गुप्ता द्वारा समागत मुख्यातिथि का स्वागत व अभिनन्दन किया गया। इस अवसर पर डॉ. राजबीर द्वारा मञ्चसञ्चालन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय परिवार के सदस्य एवं प्रतिभागी आभासीय माध्यम से उपस्थित रहें।

त्रिपुरा के पूर्व सीएम एवं सांसद बिप्लब कुमार देब ने प्रबुद्ध जनों से बजट पर की चर्चा

*फरीदाबाद / -(शशि किरण अरोड़ा) - आज का मुद्दा-- पत्रकारों से बातचीत करते हुए बिप्लब देब ने विपक्ष पर कसा तंज, बोले - देश की विडम्बना है कि ऐसे अपोजिट लीडर पैदा हो गए जो बिना पढ़े बजट पर प्रतिक्रिया देते हैं मिडिल क्लास को पहली बार मोदी सरकार ने बड़ा तोहफा दिया, 12 लाख रुपये तक की इंकम टैक्स फ्री की बजट 2025-26 देश के भविष्य का बजट : बिप्लब देब न्यूक्लियर पॉवर के लिए 20 हजार करोड़ रुपये की व्यवस्था करना समृद्धशाली विकसित भारत को दशार्ता है बजट में 10.1 प्रतिशत ग्रोथ रेट दिखाना साहसिक कदम यूपीए सरकार ने 2014 तक हरियाणा को 21 हजार 564 रुपये दिए, जबकि मोदी सरकार ने 78 हजार 345 करोड़ रुपये दिए जो 263 प्रतिशत ज्यादा है किसानों के क्रेडिट कार्ड की केसीसी ऋण सीमा 3 लाख से बढ़ाकर 5 लाख की बजट में तीन यूरिया प्लांट लगाने का लक्ष्य रखा जिससे देश के किसान लाभान्वित होंगे मेडिकल साइंस में एक साल 10 हजार सीट बढ़त्राने अगले पांच साल में 75 हजार सीट बढ़ाने का लय है

धूमधाम से मनाया गया बाबा अवध दास महाराज का 88 वां तिरोभाव महोत्सव

(डॉ. गोपाल चतुर्वेदी) वृन्दावन। परिक्रमा मार्ग स्थित ललिता आश्रम में ब्रज के सुप्रसिद्ध संत, भागवत के प्रकांड विद्वान संत शिरोमणि बाबा अवध दास महाराज का 88 वां निकुंज लीला प्रविष्ट तिरोभाव महोत्सव अखिल भारत वर्षीय अध्यात्म रक्षा संघ के तत्वावधान में संत और विद्वानों की उपस्थिति में बड़ी धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए बाबा महाराज के पंती चेला पण्डित बिहारीलाल वशिष्ठ ने कहा कि हमारे सदगुरुदेव बाबा अवध दास महाराज अनेकानेक सद्गुणों की खान थे।उन जैसी पुण्यात्माओं से ही पृथ्वी पर धर्म व अध्यात्म का अस्तित्व है। अध्यात्म रक्षा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष आचार्य राम निहोर शास्त्री ने कहा कि बाबा महाराज ज्ञान भक्ति और वैराग्य के मूर्तिमान स्वरूप थे।उनका जीवन भागवतमय था। ब्रह्म कीर्ति रक्षक दल के पंडित जुगेंद्र भारद्वाज एवं वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. गोपाल चतुवेर्दी ने कहा कि बाबा अवध दास महाराज देश की स्वतन्त्रता से पहले तपस्वी, त्यागी और परम ज्ञानी संत थे।इनको साक्षात भगवान का भी दर्शन हुआ।वो परम उपासक सिद्ध वैष्णव संत थे। कृष्ण कन्हैया पदरेणु एवं बालेंदु भूषण गोस्वामी ने कहा कि इनके जीवन चरित्र को पढ़कर हम सही को सनातन मार्ग पर चलने की प्रेरणा मिलती है। इस अवसर पर भक्ति वेदांत स्वामी मधुसूदन महाराज, स्वामी भानुदेवाचार्य, गोपाल भैया, रामदास महाराज (अयोध्या), जगदीश गोस्वामी, डॉ. राधाकांत शर्मा, आचार्य अंशुल पाराशर, कंचन मुंगेरिया (लुधियाना), बाल किशन शर्मा (बालों पण्डित), रामबाबू शर्मा, आचार्य ईश्वर चंद्र रावत, वीरपाल मिश्रा, दिनेश शर्मा फलाहारी, सुभाष शर्मा, भरत दास भक्तमाली, संत सेवानंद ब्रह्मचारी, डॉ. जमुना शर्मा, संत जुगल चरण दास, बाबा कर्मयोगी महाराज, पण्डित सत्यभान शर्मा, चित्रकार द्वारिका आनंद, पंडित राजेश पाठक, रामविलास चतुवेर्दी, पंडित पंकज गौतम, जयराम शर्मा आदि ने भी अपने विचार व्यक्त कर पूज्य बाबा महाराज को अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए। संचालन आचार्य रामनिहोर त्रिपाठी ने किया।आचार्य अंशुल पाराशर ने सभी धन्यवाद ज्ञापन किया। महोत्सव के अंतर्गत ब्रह्म कीर्ति रक्षक दल की ओर से पण्डित जुगेंद्र भारद्वाज के द्वारा प्रमुख समाजसेवी पण्डित बिहारीलाल वशिष्ठ का सम्मान किया गया।साथ ही उन्हें प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह, अंगवस्त्र एवं ठाकुरजी का पटुका-प्रसादी-माला आदि भेंट करके उनका अभिनंदन किया गया।

अखिलेश बोले- बीजेपी हर महा आयोजन का कर रही राजनीतिकरण

उत्तर प्रदेश : सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा डबल इंजन की नहीं, डबल ब्लंडर की सरकार है। भाजपा अपनी राजनीति चमकाने के लिए हर महाआयोजन का राजनीतिकरण कर रही है। उन्होंने कहा कि महाकुंभ का आयोजन पहली बार नहीं हो रहा है। नेताजी ने कराए, हमने कराए, लेकिन राजनीतिकरण नहीं किया। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव रविवार की शाम लगभग पांच बजे सड़क मार्ग से कानपुर से इटावा जा रहे थे। राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक स्थान पर सपाइयों ने उनका स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने पत्रकारों से कहा कि सरकार ने कुंभ मेले में 100 करोड़ लोगों का इंतजाम करने का दावा किया है। अब तक 60 करोड़ लोग स्नान कर चुके हैं। इस पर दिल्ली और प्रदेश का रुपया खर्च किया गया। इसके बावजूद श्रद्धालु तकलीफ और परेशानी उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस सरकार में महाकुंभ में आने वालों की गिनती की जा रही है। गिनती बताई भी जा रही है,

लेकिन जिनकी जान गई, उनकी संख्या नहीं पता कर पा रहे हैं। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई भगदड़ में कितने लोगों की जान गई, अभी तक पता नहीं चला। कितने घायल हुए यह भी नहीं बता रहे। यह दिल्ली वालों और रेलवे की नाकामी है। इसी तरह आए दिन सड़कों पर आने-जाने वाले कितनों लोगों की जान चली जा रही है, इसकी जानकारी नहीं दे रहे हैं। कहा कि महाकुंभ की भगदड़ में मरने वालों की संख्या आज तक नहीं बता पाए। कुंभ में खोने वाले लोग अभी तक नहीं मिले हैं। अखिलेश ने कहा कि 100 करोड़ रुपये का इंतजाम करने वाले अपने आपको चमका रहे हैं। राजनीतिक लाभ कैसे मिले इसमें लगे हैं। कुंभ का प्रचार इतना कर दिया कि लग रहा है कि कुंभ पहली बार भाजपा करा रही है। यदि कोई उन्हें कमी बताए तो उसे आलोचना समझते हैं। उसको बुराई बनाते हैं। उन पर दबाव बनाते हैं। हम लोग जो कमियां हैं, नाकामी है, वह बता रहे हैं। इस मौके पर स्वागत करने वाले में जिलाध्यक्ष सर्वेश बाबू गौतम, बाबा रामनरेश यादव, रवींद्र तोमर, लालजी शुक्ला, अनुज यादव आदि मौजूद रहे।

शिक्षक भर्ती घोटाला : सुवेंदु के भाई दिब्येंदु और भारती घोष, तक पहुंची सीबीआई की जांच

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के बहुचर्चित शिक्षक भर्ती घोटाले में सीबीआई की जांच बीजेपी के दो बड़े नेताओं तक पहुंच गई है। राज्य के पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी पहले ही जेल में हैं। सूत्रों के हवाले से रिपोर्ट्स में कहा गया है कि इस घोटाले में अब पूर्व सांसद दिब्येंदु अधिकारी और पूर्व आईपीएस अधिकारी भारती घोष पर शक जताया जा रहा है। दिब्येंदु, बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी के भाई हैं और घोष अब बीजेपी में हैं। सीबीआई ने हाल ही में एक विस्तृत रिपोर्ट और सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल की है, जिसमें इन दोनों के अलावा तृणमूल कांग्रेस की राज्यसभा सांसद ममता बाला ठाकुर और अन्य प्रभावशाली लोगों के नाम भी शामिल हैं।सीबीआई के अनुसार, दिव्येंदु अधिकारी और ममता बाला ठाकुर ने 20-20 उम्मीदवारों की सिफारिश की थी, जबकि भारती घोष ने चार उम्मीदवारों को शिक्षक पद के लिए सिफारिश की। जांच एजेंसी को इस घोटाले से जुड़े महत्वपूर्ण दस्तावेज शिक्षा विभाग से मिले थे, जिनमें इन नेताओं द्वारा भेजी गई सिफारिशी चिट्ठियां शामिल थीं। इस मामले में जिन नेताओं के नाम सामने आए हैं, उन्होंने आरोपों से इनकार किया है। भारती घोष ने कहा कि उन्होंने सिर्फ एक उम्मीदवार के परीक्षा केंद्र बदलने की सिफारिश की थी, लेकिन घोटाले से उनका कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कानूनी कार्रवाई की धमकी दी है अगर उनका नाम इस मामले से जोड़ा जाता है। ममता बाला ठाकुर ने इन आरोपों को राजनीतिक साजिश बताया और कहा कि वह निर्दोष हैं। दिब्येंदु अधिकारी ने बयान दिया कि वह सिर्फ अदालत या जांच एजेंसी के सामने ही अपना पक्ष रखेंगे।

एक्ट्रेस शीबा बोलीं-ममता साध्वी बन गईं तो इसमें गलत क्या है वह एंजॉय कर रही है

मुंबई,। बॉलीवुड अभिनेत्री शीबा आकाशदीप 90 के दशक की मशहूर एक्ट्रेस रही हैं। शीबा ने अपने करियर में कई फिल्मों में लीड रोल के अलावा सपोर्टिंग एक्ट्रेस के तौर पर भी काम किया है। शीबा आज एक्टिंग छोड़ चुकी हैं, लेकिन वह सोशल मीडिया पर एक्टिव रहती हैं। शीबा ने एक इंटरव्यू में पर्सनल लाइफ को लेकर खुलकर बात की। इस दौरान शीबा से ममता कुलकर्णी के साध्वी बनने को लेकर सवाल किया तो उन्होंने कहा कि उन्होंने जब ममता के बारे में सुना तो वह हैरान थी। शीबा ने कहा कि ममता कहीं-कहीं पर लगती है कि बहुत स्वीट सी है डम सी है। मतलब उसको शायद समझ नहीं आ रहा कि वह क्या बोल रही है। या फिर ये उसकी वास्तविकता होगी। मुझे उसके बारे में ज्यादा नहीं पता, लेकिन वह वास्तव में बहुत एंजॉय कर रही हैं। ममता से मिलने के सवाल पर शीबा ने कहा कि हां हम मिल चुके हैं। 90 के दशक की लड़कियां पार्टीज में कहीं न कहीं मिली ही हैं। मैंने जब से सुना है कि ममता साध्वी बन है तो तब से याद करने की कोशिश कर रही हूं कि ममता से कहां मिली लेकिन याद नहीं आ रहा कहां मिली थी लेकिन सौ फीसदी मिली हूं। लेकिन ममता आज भी कितनी सुंदर है, लेकिन कुछ गलत तो हो रहा है। अपने समय में वह बहुत खूबसूरत थीं। मेरे से कई लोगों ने पूछा कि वह साध्वी बन गई हैं आप क्या कहना चाहेंगी। मैंने कहा अगर वह एंजॉय कर रही हैं तो अच्छी बात है।

सचखंड गुरुद्वारा के पास गोलीबारी की जांच अब महाराष्ट्र एटीएस करेगी

नांदेड़। महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले में गोलीबारी की घटना की जांच अब एटीएस को सौंप दी गई है। मीडिया रिपोर्ट में एक अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि इस घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी और एक गंभीर रूप से घायल हुआ था। यह घटना 10 फरवरी को नांदेड़ के शाहिदपुरा में सचखंड गुरुद्वारा के पास हुई थी। अधिकारी ने बताया कि एक अज्ञात व्यक्ति ने गुरमीत सिंह सेवादार और उसके रिश्तेदार रविंद्र सिंह राठौर पर जब गोली चलाई थी जब दोनों स्कूटर पर जा रहे थे। सेवादार नासिक सेंट्रल जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहा है और पैरोल पर था। उन्होंने बताया कि राठौर की मौत हो गई, जबकि सेवादार गंभीर रूप से घायल हो गया था उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अब इस मामले की जांच महाराष्ट्र एटीएस को सौंप दी गई है। मामले में दो लोगों ने हमलावर की मदद की थी, जिन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। अदालत ने उन्हें छह दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है।

पुलिस ने बिना वैध दस्तावेजों के रह रहे 15 बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया

इरोड। तमिलनाडु के इरोड जिले में दो महिलाओं समेत 15 बांग्लादेशी नागरिकों को बिना दस्तावेजों के रहने के आरोप में हिरासत में लिया है। पुलिस के मुताबिक पणिक्कम्पालयम, मेट्टुकादाई और पेरुंदुरई में छापेमारी की गई। पुलिस को सूचना मिली थी कि विदेशी नागरिक बिना वैध दस्तावेजों के रह रहे हैं और निजी फर्मों में काम कर रहे हैं। पुलिस के मुताबिक छापेमारी अभियान चलाया गया इस दौरान पता चला कि 15 लोग निजी कंपनियों में और राजमिस्त्री के रूप में काम करते थे। उन्होंने बताया कि जब उनसे पासपोर्ट और वीजा समेत वैध यात्रा दस्तावेज मांगे गए तो वह कोई भी वैध दस्तावेज पेश नहीं कर सके। सभी को हिरासत में लिया गया और पूछताछ की जा रही है, हालांकि अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। पुलिस ने बताया कि औद्योगिक केंद्र पेरुंदुरई में बड़ी संख्या में अवैध बांग्लादेशी काम करते हैं।

14 मार्च को चांद हो जाएगा लाल, अमेरिका में दिखेगा नजारा, भारत पर असर नहीं

नई दिल्ली। 13 मार्च 2025 की देर रात और 14 मार्च की सुबह अमेरिका में अनोखा नजारा देखने को मिलेगा। इस दिन मून ब्लड रेड तो होगा साथ ही पूर्ण चंद्रग्रहण भी होगा। अमेरिका में यह नजारा देखने को मिलेगा। इस दिन चंद्रमा, सूर्य और धरती सीधे एक ही रेखा में होंगे। चंद्रमा से लाल लंबी वेवलेंग्थ का प्रकाश धरती पर पड़ेगा।

अमेरिका से निर्वासित प्रवासियों का दर्द, बोले-हथकड़ी-बेड़ी लगाकर भेजा

अमृतसर (एजेंसी)। अमेरिका से निर्वासित भारतीयों का दूसरा जत्था शनिवार रात अमृतसर एयरपोर्ट पहुंचा। इनमें से कुछ ने अपना दर्द बयां किया और कहा कि उन्हें हथकड़ियां पहनाकर यहां लाया गया है। यही नहीं पैरों में जंजीरें भी डाली गई थीं।

बता दें कि पहली बार जब 104 भारतीयों को डिपोर्ट किया गया था तो तस्वीरें सामने आई थीं, सोशल मीडिया पर लोगों ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी। लोगों का कहना था कि डिपोर्टेशन तक तो ठीक है लेकिन उनके साथ मानवीय व्यवहार करना ठीक नहीं। उन्होंने अवैध रूप से इमिग्रेशन के अलावा कोई दूसरा अपराध नहीं किया है।

इन भारतीय प्रवासियों से कुछ ने अपना दर्द मीडिया के सामने रखा और कहा कि हमारे पैरों में जंजीरें थीं और हाथों में हथकड़ी। ये लोग 116 अवैध भारतीय प्रवासियों में शामिल हैं जिन्हें अमेरिकी विमान से शनिवार रात अमृतसर हवाई अड्डे लाया गया। उन्होंने कहा कि उन्हें 'डंकी' मार्ग से अमेरिका ले जाया गया था। 'डंकी' मार्ग वह अवैध और जोखिम भरा मार्ग है जिसका इस्तेमाल प्रवासी अमेरिका में प्रवेश करने के लिए करते हैं। इनके परिजनों का भी आरोप है कि ट्रैवल एजेंट ने धोखा दिया है। पहले तो एजेंट ने उन्हें कानूनी तरीके से अमेरिका ले जाने का आश्वासन दिया था लेकिन बाद में जब उन्हें कई स्थानों पर ले जाया गया, तो उन्हें यात्रा की वैधता पर संदेह पैदा हुआ।

बता दें अमेरिका से 116 अवैध प्रवासियों को लेकर एक विमान शनिवार देर रात अमृतसर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरा। एक अधिकारी ने बताया कि यह अवैध प्रवासियों पर कार्रवाई के तहत अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाले प्रशासन द्वारा 5 फरवरी के बाद निर्वासित किया गया भारतीयों का दूसरा जत्था है। इनमें पंजाब से संबंध रखने वाले लोगों को आव्रजन संबंधी और पृष्ठभूमि की जांच के बाद रविवार तड़के करीब साढ़े चार बजे पुलिस की गाड़ियों में उनके घर पहुंचाया गया। हरियाणा सरकार ने भी राज्य से निर्वासित लोगों के लिए परिवहन की व्यवस्था की।

सूत्रों के मुताबिक दूसरे जत्थे में निर्वासित लोगों में पंजाब से 65, हरियाणा से 33, गुजरात से 8, उत्तर प्रदेश, गोवा, महाराष्ट्र और राजस्थान से दो-दो और हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर से एक-एक व्यक्ति शामिल है। अधिकतर निर्वासित लोग 18 से 30 साल के हैं। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि 157 निर्वासितों को लेकर तीसरे विमान के 16 फरवरी को भारत आएगा।

मैं और मेरे परिवार को मारना चाहते हैं लोग : रणवीर इलाहाबादिया का पोस्ट

मुंबई। कॉमेडियन समय रैना के यूट्यूब शो इंडियाज गॉट लैटेंट में विवादास्पद टिप्पणी के बाद रणवीर इलाहाबादिया ने जो पोस्ट शेयर किया है उसमें उन्होंने बताया, मैं और मेरी टीम पुलिस के साथ सहयोग कर रहे हैं। मैं प्रोसेस को फॉलो करूंगा और एजेंसियों के लिए मौजूद रहूंगा। माता-पिता को लेकर मेरी टिप्पणी बहुत ही असंवेदनशील और अपमानजनक थी। ये मेरी नैतिक जिम्मेदारी है कि मैं बेहतर करूं और मैं सच में आपसे माफी मांगता हूं। पोस्ट में उन्होंने बताया कि वो और उनकी टीम जांच में पुलिस का साथ दे रहे हैं। साथ ही, उन्होंने बताया कि उन्हें जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। रणवीर ने कहा कि कुछ लोग उनकी मां की क्लीनिक में मरीज बनकर पहुंच गए थे और वो बहुत डरे हुए हैं। उन्होंने आगे लिखा, मैं देख रहा हूं कि लोग मुझे जान से मारने की धमकियां दे रहे हैं, कह रहे हैं वो मुझे मारना चाहते हैं। लोग मेरी मां के क्लीनिक में मरीज बनकर घुस आए। मैं बहुत डरा हुआ हूं और मुझे नहीं पता मैं क्या करूं। मैं भाग नहीं रहा हूं। मुझे पुलिस और भारत की न्याय व्यवस्था पर पूरा भरोसा है। बता दें, रणवीर इलाहाबादिया का बयान दर्ज करने के लिए पुलिस उनके घर पहुंची थी, लेकिन पुलिस को उनके घर पर ताला लटका मिला। वहीं, उनका फोन भी बंद आ रहा था। पुलिस इस मामले में अभी तक रणवीर का बयान दर्ज नहीं कर पाई है।

काशी में भक्तों का सैलाब: लंबा इंतजार, दर्शन के लिए 5 किमी लंबी लाइन

वाराणसी (एजेंसी)। काशी और अयोध्या में वीकेंड पर श्रद्धालुओं का जबरदस्त सैलाब उमड़ा है। वाराणसी में करीब 20 लाख लोग पहुंचे, जिससे मंदिर और रेलवे स्टेशनों पर भारी भीड़ देखी जा रही है। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने जगह-जगह बैरिकेडिंग की है, वहीं गंगा आरती को 26 फरवरी तक रोक दिया गया है। इसके अलावा, शाम 6 बजे के बाद गंगा में नाव संचालन पर भी रोक लगा दी गई है।

रविवार तड़के 2:45 बजे बाबा विश्वनाथ मंदिर के कपाट खोले गए, जिसके बाद श्रद्धालु दर्शन के लिए उमड़ पड़े। मंदिर के बाहर 5 किलोमीटर तक लंबी कतारें लगी रहीं, और भक्तों को दर्शन करने में 5-6 घंटे का समय लगा है। भीड़ के चलते रेलवे स्टेशन पर भी हालात खराब रहे हैं। ट्रेनें देरी से चल रही हैं, जिससे यात्री स्टेशन पर ही फंसे हुए हैं। कुछ यात्रियों ने दावा किया कि वो 24 घंटे से ट्रेन का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन अब तक कोई ट्रेन उनके गंतव्य को जाने वाली नहीं आई।

अयोध्या में भी श्रद्धालुओं का भारी जमावड़ा

अयोध्या में भी 5 लाख से ज्यादा श्रद्धालु पहुंचे हैं। हनुमान गढ़ी में इतनी भीड़ है कि पैर रखने की जगह तक नहीं बची। रामलला के दर्शन के लिए 2 किलोमीटर लंबी लाइन लगी। पुलिस द्वारा गाड़ियों को सीमा पर ही रोक दिया जा रहा है, जिससे श्रद्धालुओं को 10 किलोमीटर तक पैदल चलना पड़ रहा है।

प्रशासन ने श्रद्धालुओं से धैर्य से काम लेने की अपील

काशी और अयोध्या में भीड़ को संभालने के लिए प्रशासन लगातार निगरानी रखे हुए है। इसके साथ ही किसी अनहोनी से बचने प्रशासन ने श्रद्धालुओं से धैर्य बनाए रखने और नियमों का पालन करने की अपील की है, ताकि सभी सुरक्षित और सुगमता से दर्शन कर सकें।

अगर कोई बैंक बैन या बंद हो जाए तो क्या होगा, आपको कितना पैसा मिलेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)।हाल ही में मुंबई स्थित न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक पर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कड़े प्रतिबंध लगा दिए हैं। इस प्रतिबंध के तहत बैंक के ग्राहक अगले छह महीनों तक अपनी जमा राशि नहीं निकाल सकेंगे और न ही कोई अन्य लेन-देन कर पाएंगे। यह फैसला बैंक में वित्तीय अनियमितताओं और खराब प्रबंधन को देखते हुए लिया गया है। इस घोषणा के बाद बैंक की शाखाओं के बाहर परेशान ग्राहकों की भीड़ उमड़ पड़ी, जो अपनी मेहनत की कमाई को लेकर चिंतित हैं। आरबीआई की ओर से जारी अधिसूचना में कहा गया है कि बैंक की वित्तीय स्थिति में सुधार होने के बाद ही प्रतिबंध हटाए जाएंगे। हालांकि, यह पहली बार नहीं है जब किसी बैंक पर इस तरह की पाबंदी लगी हो। इससे पहले पीएमसी बैंक, यस बैंक और शिरपुर मर्चेंट्स कोऑपरेटिव बैंक पर भी इसी तरह के प्रतिबंध लगाए गए थे। बैंक में अपना पैसा जमा करने वाले ग्राहकों के सामने सबसे बड़ा सवाल यह है कि अगर बैंक दिवालिया हो जाता है तो उनकी जमा राशि का क्या होगा।

भारतीय बैंकिंग नियमों के अनुसार, यदि कोई बैंक डूब जाता है या उसका लाइसेंस रद्द कर दिया जाता है, तो ग्राहकों को अधिकतम 5 लाख रुपए तक की राशि वापस मिल सकती है। यह सुरक्षा डिपॉजिट इंश्योरेंस एंड क्रेडिट गारंटी कॉर्पोरेशन (डीआईसीजीसी) के तहत आती है, जो बचत खाता, चालू खाता और एफडी जैसी सभी जमाओं को मिलाकर अधिकतम 5 लाख रुपए की गारंटी देती है। यदि किसी ग्राहक के एक ही बैंक में 7 लाख रुपए जमा हैं, तो भी उसे अधिकतम 5 लाख रुपए ही वापस मिलेंगे। लेकिन अगर उसने अपनी जमा राशि को अलग-अलग बैंकों में वितरित कर रखा है, तो प्रत्येक बैंक से उसे 5 लाख तक की राशि प्राप्त हो सकती है।

बैंकिंग विशेषज्ञों के अनुसार, ग्राहकों को अपनी पूरी जमा राशि एक ही बैंक में रखने के बजाय अलग-अलग बैंकों में वितरित करनी चाहिए। इसके अलावा, सरकारी बैंकों जैसे एसबीआई, पीएनबी, बैंक ऑफ बड़ौदा और बड़े निजी बैंकों जैसे एचडीएफसी, आईसीआईसीआई, कोटक महिंद्रा में धन जमा करना अधिक सुरक्षित माना जाता है। सहकारी बैंकों की वित्तीय स्थिति कई बार अस्थिर हो सकती है, इसलिए उनमें बड़ी मात्रा में धन रखने से बचना चाहिए। आरबीआई ने साफ किया है कि न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक की स्थिति सुधारने के प्रयास किए जा रहे हैं। यदि बैंक की हालत बेहतर होती है, तो प्रतिबंध हटाए जा सकते हैं। लेकिन फिलहाल ग्राहकों को धैर्य बनाए रखने और अपने निवेश को सोच-समझकर करने की सलाह दी गई है।

सिद्धरमैया हमारे नेता हैं, उनके नाम का गलत इस्तेमाल करने की जरूरत नहीं: शिवकुमार

नई दिल्ली (एजेंसी)। उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने रविवार को कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरमैया कर्नाटक में कांग्रेस पार्टी के निर्विवाद नेता हैं और किसी को भी उनके नाम का दुरुपयोग करके बयान देने की कोई जरूरत नहीं है।

पार्टी के एक वर्ग का कहना है कि सिद्धरमैया को मुख्यमंत्री के तौर पर अपना कार्यकाल पूरा करना चाहिए, जिसपर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए शिवकुमार ने यह बयान दिया है। पार्टी नेताओं का कहना है कि इस साल के अंत में कर्नाटक में संभावित नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों के बीच अगले चुनाव में सत्ता बरकरार रखने के लिए सिद्धरमैया का नेतृत्व पार्टी के लिए महत्वपूर्ण है। प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष शिवकुमार मुख्यमंत्री बनने की अपनी महत्वाकांक्षा को कई मौकों पर छिपा नहीं पाए हैं। शिवकुमार ने कहा, सिद्धरमैया हमारे मुख्यमंत्री हैं, वह हमारे नेता हैं, हम उन्हें सभी चुनावों में चाहते हैं। हम उन्हें जिला पंचायत, तालुक पंचायत, विधानसभा और संसद चुनावों में चाहते हैं। वह हमारे नेता हैं।

शिवकुमार ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा, कांग्रेस पार्टी ने सिद्धरमैया को दो बार मुख्यमंत्री बनाया है। किसी को भी आए दिन उनके नाम का दुरुपयोग करने की कोई जरूरत नहीं है। वह हमारे नेता हैं, कांग्रेस पार्टी के निर्विवाद नेता हैं। वह दूसरी बार मुख्यमंत्री के तौर पर काम कर रहे हैं और अच्छा काम कर रहे हैं। मैं नहीं चाहता कि वह मीडिया (अटकलबाजी) का विषय बनें।

पार्टी नेताओं के बयानों के बारे में पूछे जाने पर शिवकुमार ने कहा, कोई भ्रम नहीं है, कांग्रेस पार्टी हर दिन हर चीज पर नजर रख रही है। सिद्धरमैया मई 2023 से मुख्यमंत्री हैं। इससे पहले वह 2013 से 2018 तक मुख्यमंत्री रह चुके हैं।

प्रदेश अध्यक्षों की घोषणा नहीं होने की वजह से अब अगले माह भाजपा को मिलेगा नया अध्यक्ष

मुंबई (एजेंसी)। नई दिल्ली(ईएमएस)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा फिलहाल अध्यक्ष पद पर बने रहेंगे। यह दायित्व संभाले हुए उन्हे करीब 6 साल हो गए हैं। कई बार नए अध्यक्ष को लेकर चर्चा चली लेकिन कुछ न कुछ अड़चन आने के कारण नड्डा का कार्यकाल बढ़ता रहा है। इस बार भी कहा जा रहा है कि मार्च में भाजपा को जेपी नड्डा का विकल्प मिल पाएगा। इसकी वजह यह है कि भाजपा के संविधान के अनुसार राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव से पहले कम से कम आधी राज्य इकाइयों के अध्यक्षों का चुनाव हो जाना चाहिए। वहीं प्रदेश अध्यक्षों के इलेक्शन से पहले जिलाध्यक्ष चुने जाने चाहिए। अब तक कई राज्य ऐसे हैं, जहां जिलाध्यक्ष ही नहीं चुने जा सके हैं और इसके कारण प्रदेश अध्यक्षों का इलेक्शन अटका है।

इससे पहले नड्डा लोकसभा चुनाव तक के लिए कार्यकाल विस्तार मिला था, लेकिन फिर महाराष्ट्र, हरियाणा जैसे राज्यों के चुनाव के कारण नए अध्यक्ष का चुनाव लटक गया। उम्मीद थी कि जनवरी या फरवरी तक भाजपा को नया अध्यक्ष मिल जाएगा,

लेकिन यह फिर से टल गया है। फिर इसी के कारण राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव में भी देरी हो रही है। इसकी एक वजह यह भी रही कि भाजपा ने अपने संगठन की पूरी मशीनरी को दिल्ली विधानसभा चुनाव में उतार दिया था। इसके कारण कई राज्यों में संगठन चुनाव लटक गए। भाजपा ने अब तक 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में से 11 में ही प्रदेश अध्यक्ष चुने हैं। कई राज्यों में चुनाव जारी हैं और कहीं तो अध्यक्षों को रिपीट ही किया जा रहा है। अब तक आंध्र प्रदेश, बिहार, हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों में जिलाध्यक्षों का चुनाव हो चुका है। लेकिन उत्तराखंड, यूपी समेत कई राज्यों में अब भी इलेक्शन अटका हुआ है। भाजपा संगठन के लोगों का कहना है कि राज्यों में ही चुनाव होना फरवरी या मार्च के शुरुआती दिनों तक संभव है। ऐसे में इसके बाद ही राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव होगा।

इस तरह पूरी संभावना है कि मार्च के आखिर तक ही भाजपा को नया अध्यक्ष मिल जाएगा। इस देरी कि एक वजह यह भी रही कि लोकसभा चुनाव के बाद भी लगातार राज्यों के चुनाव बने रहे। फिर दिल्ली विधानसभा चुनाव आ गया। अब बिहार विधानसभा इलेक्शन में करीब 6 महीने का वक्त है। ऐसे में बीच के इस समय का इस्तेमाल भाजपा संगठन में बदलाव के लिए करना चाहेगी। इससे संगठन की कमान संभालने वाले नए अध्यक्ष को भी तैयारी का मौका मिल जाएगा। भाजपा के अध्यक्ष का कार्यकाल तीन साल का ही होता है, लेकिन जेपी नड्डा को इस बार विस्तार मिला। जेपी नड्डा भले ही पीएम नरेंद्र मोदी की छाया में रहे हैं, लेकिन उनके कार्यकाल को कई राज्यों में शानदार जीत और लगातार तीसरी बार केंद्र में सरकार बनने के लिए याद किया जाएगा।

अमेरिका से 157 भारतीयों को लेकर आ रहा तीसरा विमान, यह भी अमृतसर में उतरेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रवासी भारतीयों को लेकर अमेरिका से तीसरा विमान आ रहा है। कितने बजे तक लैंड करेगा इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है। ये तीसरा विमान भी अमृतसर एयरपोर्ट पर उतरेगा।

अमेरिका से 116 अवैध भारतीय प्रवासियों को लेकर सैन्य विमान सी-17 ए ग्लोबमास्टर-3 शनिवार रात 11:30 बजे अमृतसर एयरपोर्ट पर लैंड हुआ। पहले 119 अप्रवासियों को डिपोर्ट करने के खबरें थीं, लेकिन बाद में लिस्ट अपडेट की गई। इस विमान में पंजाब से 65, हरियाणा से 33, गुजरात से 8, उत्तर प्रदेश, गोवा, महाराष्ट्र और राजस्थान से 2-2 और हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर से एक-एक व्यक्ति शामिल थे।

एयरपोर्ट के अंदर पहले सभी के दस्तावेजों की चेकिंग की गई। इसके साथ यह भी देखा गया कि किसी का कोई आपराधिक रिकॉर्ड है या नहीं। सारी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद उनके परिजनों के हवाले कर दिया गया। अमेरिका तीसरे बैच में 157 अवैध प्रवासी भारतीयों को रविवार यानी आज सुबह अमृतसर भेजेगा। अभी यह पता नहीं चल सका है कि विमान कितने बजे यहां लैंड करेगा।

अमृतसर को डिपोर्ट केंद्र नहीं बनने देंगे: मान

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने अमृतसर हवाई अड्डे पर भारतीय प्रवासियों को ला रहे अमेरिकी विमानों की लैंडिंग को लेकर केंद्र पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि पवित्र शहर अमृतसर को बदनाम किया जा रहा है। हम अमृतसर को डिपोर्ट केंद्र नहीं बनने देंगे। अमेरिका से डिपोर्ट किए गए लोगों को अमृतसर एयरपोर्ट पर उतारना केंद्र सरकार की साजिश है। यह जहाज दिल्ली या अहमदाबाद अथवा देश के किसी भी एयरबेस पर उतारा जा सकता है। अमेरिका से आने वाले जहाज के लिए पहले दिल्ली एयरपोर्ट आता है।

स्पीड में चीन के बाहुबली फाइटर जेट का मुकाबला नहीं कर सकता अमेरिका का एफ 35

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन ने भी 5वीं जेनरेशन का एयरक्राफ्ट डेवलप किया है। यह एयरक्राफ्ट अमेरिका के एफ 35 से कई गुना ज्यादा गति वाला है। चीन ने हाल में ही 5वीं जेनरेशन फाइटर जेट जे-35ए को दुनिया के सामने पेश किया था। बताया जाता है कि बीजिंग ने एफ-35 से प्रेरित होकर जे-35ए फाइटर जेट बनाया है। हालांकि, चीनी लड़ाकू विमान स्पीड और टेक्नोलॉजी के मामले में अमेरिका के एफ-35 एयरक्राफ्ट से अपग्रेड है।

बता दें कि चीन पिछले कुछ साल में अपने डिफेंस पर खर्च में बेतहाशा वृद्धि की है। खासकर एयरफोर्स और नेवी को अपग्रेड किया है। यह प्रक्रिया अभी भी जारी है। इसे देखते हुए भारत को भी इस दिशा में कदम उठाना पड़ रहा है। भारत भी एयरफोर्स को अपग्रेड कर रहा है। राफेल के बाद अब अमेरिका से एफ-35 एयरक्राफ्ट को खरीदने का फैसला किया गया है। दूसरी तरफ नेवी को भी मॉडर्न बनाया जा रहा है। राफेल-एम की खरीद उसी प्रक्रिया का हिस्सा है। इसके अलावा मिसाइल और अन्य आधुनिक वेपन को डेवलप किया जा रहा है। सबसे पहले चीन की पांचवीं पीढ़ी के विमान जे-35ए की बात करते हैं। बीजिंग ने बदलते सामरिक माहौल के बीच पांचवीं पीढ़ी के विमान का निर्माण शुरू किया है। इसी क्रम में डेवलप किया गया है। यह फाइटर जेट स्टील्थ होने के कारण रडार की पकड़ से बाहर है। मतलब इसे रडार पकड़ नहीं सकते हैं।

अमेरिका का एफ-35 फाइटर जेट भी पांचवीं पीढ़ी का विमान है। यह एयरक्राफ्ट मैक-1.6 की रफ्तार से उड़ान भरने में सक्षम है। फिफ्थ जेनरेशन का विमान होने की वजह से यह रडार की पकड़ से दूर है। मतलब इसे रडार नहीं पकड़ सकता है। इसमें एडवांस्ड सेंसर लगे हुए हैं, ताकि टारगेट को हासिल करने में आसानी रहे। इसके अलावा इस विमान में रडार को जाम करने की भी क्षमता है। साथी मॉडर्न इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सिस्टम से भी यह फाइटर जेट लैस है।

लखनऊ में सुभासपा विधायक वेदीराम ने नाला पाटा

शिकायत पर मेयर-नगर आयुक्त मोहल्ले में पहुंचे, लोग बोले- 6 फीट आगे तक कब्जा किया

लखनऊ। में सुभासपा विधायक वेदी राम पर लोगों ने भरवारा मल्हौर वार्ड में नाला पाटकर उसपर दीवार बनाने का आरोप लगाया है। मोहल्ले के लोगों का कहना है कि विधायक ने 6 फीट आगे तक जमीन पर कब्जा कर लिया है। इसके कारण नाराज लोगों ने मामले की शिकायत लखनऊ की महापौर और नगर आयुक्त से की है। महापौर सुषमा खर्कवाल ने रविवार को नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह और अपर नगर आयुक्त पंकज श्रीवास्तव के साथ मौके पहुंची। इस दौरान सैकड़ों की संख्या में लोग मौजूद रहे। लोगों ने विधायक द्वारा नाले की जमीन पाटने पर विरोध कर नाराजगी व्यक्त की है। भरवारा मल्हौर वार्ड में एमिटी यूनिवर्सिटी से एसटीपी की तरफ जाने वाले रास्ते पर विधायक की जमीन पर करीब 6 फीट बढ़ाकर नाले की जमीन पर बाउंड्रीवाल का निर्माण करने का आरोप है। निरीक्षण के दौरान मौके पर मिले व्यक्ति से महापौर सुषमा खर्कवाल ने कहा- एक व्यक्ति की

वजह से 30 से 40 हजार लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा। इस दीवार को पीछे करिए। उन्होंने कहा- लोग 6 महीने से दौड़ रहे हैं। नगर निगम के अधिकारियों को इस दौरान जमीन के कागजात दिखाने के भी निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हम लोग पार्षद और महापौर हैं अगर लोगों की समस्या का समाधान नहीं करा सकते तो किस काम के हैं। इसके साथ ही मौके पर मिले व्यक्ति से कहा कि दो दिन के अंदर पेपर लेकर आइए। नहीं तो विधायक से खुद बात करूंगी। महिलाओं ने कहा- चार दिन से घर में बंद महिलाओं ने महापौर से कहा- जलभराव के चलते चार दिनों से घर में बंद हैं। वहीं, मौके पर लोगों ने नाराजगी व्यक्त करते हुए रजिस्ट्री के अनुसार जमीन की पैमाइश कराने की मांग की। वहीं मौके पर मौजूद विधायक प्रतिनिधि ने कहा- विधायक लखनऊ में नहीं है। कल आएंगे। इसके बाद बात करेंगे। ठाकुर सिंह मनराल सचिव गंगोत्री

विहार ने बताया कि क्षेत्र में पार्क, रोड और नाले का निर्माण किया गया है। विधायक वेदी राम द्वारा नाले पर मिट्टी पाट दी गई है। यह प्राकृतिक नाला है। कठौता का पानी भी आता है। पार्षद ममता रावत ने कहा कि क्षेत्र ने जलनिकासी की समस्या है। यहां एक नाला बहुत पहले से बना हुआ था। इसी नाले से पानी रळढ जाता था। लेकिन नाला पटने के कारण पानी निकल नहीं पा रहा है। महापौर ने मौके पर आकर आश्वासन दिया है। इस दौरान कई अन्य लोगों ने भी नाले की जमीन पर कब्जा किया है।

संक्षिप्त डायरी

ई आफिस टैकनीक के जबरजस्त फायदे की दी गई ट्रेनिंग

हमीरपुर । उत्तर प्रदेश के हमीरपुर में पुलिस विभाग के ई-ऑफिस के लिये एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम पुलिस कप्तान दिक्षा शर्मा के निर्देशन में जबकि अपर पुलिस अधीक्षक की मौजूदगी में पुलिस लाइन सभागार हमीरपुर में ई-ऑफिस के लिये एक जरुरी ट्रेनिंग कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जनपद के सभी थाना अध्यक्ष, प्रभारी निरीक्षक अपने-अपने थानों के नामित अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ शामिल हुए और ई-ऑफिस टैकनीक के जबरजस्त फायदे की ट्रेनिंग हासिल की।

रक्तदान शिविर में युवाओं ने किया स्वैच्छिक रक्तदान

कुशीनगर। नगर पंचायत फाजिलनगर के एक निजी मैरेज हाल में माँ शारदा सेवा संस्था के द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 15 यूनिट ब्लड युवाओं ने दान किया। मुख्य अतिथि चंद्रशेखर उर्फ लड्डू यादव ने कहा की रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं, रक्तदान से मानव जीवन को बचाया जा सकता है तथा सामाजिक एकता को मजबूत करने में स्वैच्छिक रक्तदान की महत्वपूर्ण भूमिका है । आयोजक डॉ एसके यादव बताया कि लोगों द्वारा रक्त दान करने से दिल की सेहत में सुधार, दिल की बीमारियों और स्ट्रोक के खतरे को कम माना जाता है। खून में आयरन की ज्यादा मात्रा दिल के दौरे के खतरे को बढ़ा सकती है। नियमित रूप से रक्तदान करने से आयरन की अतिरिक्त मात्रा नियंत्रित हो जाती है। जो दिल की सेहत के लिए अच्छी है। रक्तदान में डॉ एसके यादव, श्रवण कुमार गुप्ता, सुमित सिंह,राजन ठाकुर, डॉक्टर अजीत कुमार गुप्ता, अजय यादव, रितेश प्रताप सिंह, दीपांशु बरनवाल सहित पंद्रह से अधिक लोगों ने भाग लिया` इस दौरान डॉक्टर जितेन्द्र प्रजापति, अभिषेक लड्डू यादव, उस्मान गनी नूरी, डॉक्टर श्रीमती मंजू यादव, मनोज सिंह, पलटन यादव, तारकेश्वर सिंह, अशोक गुप्ता, नन्दलाल गोंड, मालती देवी, शिवानी गुप्ता, सुरेंद्र, अमित कुमार मौजूद रहे।

वार्षिकोत्सव और विदाई समारोह में बच्चों ने दी मनमोहक प्रस्तुति

फाजिलनगर, कुशीनगर। क्षेत्र के नारायनपुर कोठी स्थित जितेंद्र स्मारक इंटरमीडिएट कालेज में वार्षिकोत्सव, कक्षा 10वीं व 12 वीं के छात्रों और अवकाश प्राप्त शिक्षकों के विदाई समारोह का भव्य आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि क्षेत्रीय सांसद शशांक मणि त्रिपाठी ने कहा कि यह विदाई आपको आगे बढ़ाने की प्रक्रिया है। यहां से निकलकर बेहतर मुकाम हासिल करते हुए इस विद्यालय और अपनी माता पिता का नाम रोशन करें। संत दिव्यसागर जी महाराज ने छात्रों को जीवन में संस्कार और अनुशासन के महत्व पर जोर दिया। भाजपा जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय, पडरौना विधायक मनीष जायसवाल, रामकोला विधायक विनय गौड़, डा. शैलेंद्र मिश्र, नंदलाल विद्रोही, रामबृक्ष गिरी, महेंद्र नाथ उपाध्याय, पूर्व जिला पंचायत सदस्य ज्ञानेश्वर द्विवेदी दीपक ने सम्बोधित किया। क्षेत्रीय विधायक सुरेन्द्र कुमार कुशवाहा ने सभी अतिथियों का स्वागत व आभार किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला संघ चालक रामाश्रय प्रसाद ने सभी को अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इसके पूर्व मुस्कान कुशवाहा, अर्चना गोड़, राजल विश्वकर्मा, सानिया, अर्चना गोड, संजना चौरसिया, खुशबू आदि ने नृत्य आदि प्रस्तुत किया। अंत में अवकाश प्राप्त शिक्षक रामायन यादव तथा स्थानांतरित शिक्षक बृजेन्द्र बहादुर यादव और लखीचंद विश्वकर्मा को स्मृति चिन्ह व गीता पुस्तक भेंटकर सम्मानित किया गया। अध्यक्षता पूर्व विधायक व प्रबंधक गंगा सिंह कुशवाहा व संचालन कवि मनंजय तिवारी निर्मल तथा शिक्षक राजेन्द्र प्रसाद कुशवाहा ने किया। इस अवसर पर पूर्व प्रवक्ता भोला प्रसाद सिंह, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला संपर्क प्रमुख चंद्रिका शर्मा, विनोद शर्मा, दिलीप सिंह, विजय प्रकाश सिंह, डॉ. अजयनाथ तिवारी, प्रेम कुमार तिवारी, संजय सिंह, योगेश तिवारी, नीलेश शर्मा, अनीता सिंह, मोहनलाल गुप्ता उपस्थित रहे।

लखनऊ में मां-बेटियों को टेम्पो ने रौंदा, एक की मौत

लखनऊ। में मंदिर से लौट रही मां-बेटियों को टैम्पो ने रौंदा दिया। हादसे में मां की मौत हो गई, जबकि दोनों बेटियां गंभीर घायल हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया है। घटना बीकेटी के इक्यावन शक्तिपीठ मंदिर के सामने हुई। कोटवा, बीकेटी की रहने वाली सुमन (42) विश्वकर्मा अपनी दो बेटियों आरती (20) और प्रिया (15) के साथ शक्तिपीठ में दर्शन करने गई थीं। वापसी के दौरान जब वे सड़क पार कर रही थीं, तभी अचानक एक बच्चे के सड़क पर आ जाने से टेम्पो बेकाबू हो गया और सड़क किनारे खड़ी तीनों को टक्कर मार दी। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने तीनों घायलों को रामसागर मिश्र चिकित्सालय पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने सुमन विश्वकर्मा को मृत घोषित कर दिया। गंभीर रूप से घायल दोनों बेटियों को ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया है। वाहन छोड़कर टैम्पो चालक फरार हादसे के बाद टेम्पो चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने टेम्पो को अपने कब्जे में लेकर थाने में खड़ा कर दिया है। पुलिस फरार चालक की तलाश में जुटी है। प्रमोद विश्वकर्मा की पत्नी की मौत और बेटियों के घायल होने से परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

छेड़खानी के साथ ही खतरनाक चोट के गुनाहगार को चार साल की सख्त सजा के साथ हुआ ग्यारह हजार का जुमार्ना

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर नगर में 2 दिसम्बर 2013 को अभियुक्त ने 14 वर्षीय नाबालिग छात्रा से मोबाइल नम्बर मांगा, वही छात्रा के नम्बर देने से मना करने पर अभियुक्त ने छात्रा का जबरन हाथ पकड़कर उसे बुरी नियत से खींच लिया,साथ ही मारपीट कर गाली गलौज करने के मामले में हमीरपुर सदर कोतवाली में अभियुक्त विवेक सिंह पुत्र हरपाल सिंह निवासी रहुनियां धर्मशाला के खिलाफ अ0सं0-2395/2013 धारा 354ख,323,504,506 भा0द0सं0 व 8 पॉक्सो एक्ट के तहत दर्ज किया गया था, वही आपरेशन कन्विक्शन के तहत 15 फरवरी 2025 को हमीरपुर की पाक्सो अदालत की स्कालर जज कीर्ति माला सिंह ने अभियुक्त विवेक सिंह पुत्र हरपाल सिंह को गुनाहगार मानते हुये चार साल की सख्त सजा के साथ ही ग्यारह हजार रुपये का सुनाया जुमार्ना, मामले की जांच एस आई एपी सिंह ने की थी, जबकि अभियोजन की तरफ से एडीजीसी रुद्र प्रताप सिंह ने पैरवी की।

हमीरपुर की मझगवां पुलिस ने लूट के दो फरार चल रहे लूटेरों को वारदात में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल के साथ दबोचा

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर की मझगवां पुलिस ने अपराधियों की धरपकड़ के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के तहत 10 फरवरी 2025 को टोला रावत के पास लूट की वारदात को अंजाम देने वाले फरार चल रहे दो लूटेरों को दबोचने में कामयाबी हासिल की, मझगवां पुलिस ने बताया कि जरिया थाना क्षेत्र के रिगवारा निवासी 20 वर्षीय प्रिन्स पुत्र जयपाल लोधी सहित जरिया थाना क्षेत्र के ही अमूद निवासी 19 वर्षीय दीपक कुमार पुत्र परमेश्वरी दयाल को गोहानी पुलिया के पास से दबोच कर अदालत में पेश किया गया। गौरतलब है कि वारदात के बाद पीड़ित की तहरीर पर दोनों लुटेरों के खिलाफ मझगवां पुलिस ने मु०अ०सं० 14/2025 धारा 309(6)/ 317(2) बी०एन०एस० सहित 9(1)अ(1)/25(2) आर्म एक्ट के तहत मामला दर्ज किया था। मामला दर्ज होने के बाद से ही पुलिस लुटेरों की तलाश कर रही थी, जबकि पकड़े गये दोनों लूटेरों के पास से पुलिस ने मोटरसाइकिल,315 बोर का अवैध असलहा, जबकि दो जिंदा कारतूस सहित एक मोटरोला मोबाइल बरामद करने में कामयाबी हासिल की है, वही मझगवां पुलिस ने बताया कि लुटेरों के खिलाफ जनपद महोबा के चरखारी थाने में भी पहले से मु०अ०सं० 21/2025, धारा 309(4)/352/125अ बीएनएस के तहत मामला दर्ज है। लुटेरों को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में खासतौर से एस एस आई शिव सहाय सरोज, एस आई अनुज कुमार सिसौदिया, एस आई अमोल सिंह, एस आई रवि मेहता, हैड कांस्टेबल महेन्द्र सिंह सहित कांस्टेबल सौरभ कुमार शामिल रहे।

कालपी में आये 22 फरियादियों में पांच फरियादों का हुआ मौके पर डिस्पोजल

उरई। उत्तर प्रदेश के उरई के कालपी में सम्पूर्ण समाधान दिवस एसडीएम की अध्यक्षता, पुलिस क्षेत्राधिकारी और तहसीलदार सहित नायब तहसीलदार की मौजूदगी में सपन्न हुआ। इस मौके पर 22 फरियादी अपनी परेशानियां लेकर एसडीएम से रुबरु हुये, जिसमें से पांच फरियादियों की फरियाद का मौके पर बेहतर तरीके से डिस्पोजल किया गया, वही बाकी फरियादियों की फरियाद का वख्त पर बेहतर डिस्पोजल करने के जिम्मेदार अधिकारियों को निर्देश दिये गये। जबकि समाधान दिवस की अध्यक्षता करते हुये उपजिलाधिकारी सुशील कुमार सिंह ने जिम्मेदारों से कहा कि शिकायतों का प्राथमिकता से डिस्पोजल करें।वही सीओ अवधेश कुमार सिंह ने कहा कि राजस्व की शिकायतों का मौके पर जाकर डिस्पोजल तय करें। इस मौके पर तहसीलदार अभिनव तिवारी,नायब तहसीलदार चन्द्रमोहन शुक्ला,नायब तहसीलदार तारा शुक्ला,बीडीओ महेवा संदीप मिश्रा, नायब तहसीलदार नीलमणि यादव,विधुत उपखण्ड अधिकारी आर्दशराज यादव,वन रेन्जर संजय यादव,पूर्ति विभाग शुभेन्द्र तिवारी, जल संस्थान अवर अभियंता वाशिद अली सहित बड़ी तादाद में अधिकारी सहित कर्मचारी मौजूद रहे।

भिक्षुओं और उपासकों ने निकाली विश्व शांति सद्भावना पदयात्रा

कसया, कुशीनगर। सम्राट अशोक वेलफेयर सोसाइटी सिरसिया रामपुर, नपा कुशीनगर द्वारा आयोजित तीन दिवसीय कार्यक्रम के तहत विश्व कल्याण को लेकर आकर्षक रथ पर सजी बुद्ध प्रतिमा के साथ विश्व शांति सद्भावना पदयात्रा भिक्षुओं और उपासकों ने निकाली। रविवार को पदयात्रा सिरसिया रामपुर बुद्ध बिहार से भंते महेंद्र महा थेरा, भंते डॉ नंद रतन महाथेरा, पूर्व विधायक रजनीकांत मणि त्रिपाठी, सपा वरिष्ठ नेता राजेश प्रताप राव उर्फ बंटी राव के नेतृत्व में निकली। यहां पूर्व विधायक श्री त्रिपाठी ने कहा कि बुद्ध के उपदेशों में ही जन जन का कल्याण है। केंद्र व राज्य सरकार बुद्ध के सिद्धांतों पर चलकर विकसित भारत के लक्ष्य की ओर बढ़ रही है। सपा के श्री राव ने कहा कि सामाजिक एकता और भाईचारे के लिए सामाजिक सद्भावना समय की मांग है। हमसब मिलकर एक सुंदर और सूखी समाज निर्माण को आगे आएं। पदयात्रा पकवाईनार, नेशनल हाईवे होते हुए, विशुनपुरा ओवर ब्रिज होते हुए मुख्य महा परिनिर्वाण मंदिर पहुंची। जहां बुद्ध की लेटी प्रतिमा का दर्शन पूजन कर चीवर चढ़ाया गया। आयोजक द्वय भंते महेंद्र और नंद रतन ने कहा कि माघी पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित यह कार्यक्रम भगवान बुद्ध के उपदेशों में जीव कल्याण और सर्वे भवन्तु सुखीनः की भावना है। शाम को मशहूर कलाकारों द्वारा बुद्ध गीत, वंदना व कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। सोमवार को सामाजिक चिंतकों का संबोधन और धर्म गुरुओं का संबोधन होगा। समापन मंगलवार को भोजनदान से होगा। इस दौरान भंते मुलायम, राम कृपाल कुशवाहा, ब्रजेश कुशवाहा, अनिल कुमार मल्ल, प्रकाश भारती, अनिल वर्मा, एडवोकेट उदयभान यादव, राम गुलाब यादव, विशाल कुशवाहा, प्रभुनाथ कुशवाहा, श्रीनारायण कुशवाहा, उग्रसेन वर्मा, सरफुद्दीन अंसारी, फेकू प्रसाद, ब्यास दूबे, अजय दूबे, वंशराज प्रधान, अजय पासवान, सुरेन्द्र प्रसाद, हरिद्वार, राम उग्रह वर्मा, डॉ अमित, लालाजी पासवान आदि मौजूद रहे।

केंद्रीय बजट विकसित भारत की गति निर्धारित करने का लक्ष्य: डॉ रमापति राम त्रिपाठी

कुशीनगर। भारतीय जनता पार्टी विकसित भारत के एजेंडे पर काम कर रही है। वर्ष 2025-26 का केन्द्रीय बजट विकसित भारत की अवधारणा को ध्यान में रखकर बनाया गया है। सुधारों को ईंधन और समावेशिता को मार्गदर्शक भावना के रूप में रखते हुए, वित्त वर्ष 2025-26 का केंद्रीय बजट विकसित भारत की गति निर्धारित करने का लक्ष्य रखता है। यह बजट स्वीकार करता है कि किसी देश की शक्ति उसकी भूमि में नहीं बल्कि उसके लोगों में होती है, और इस प्रकार, सभी वर्गों में समावेशी विकास के माध्यम से मोदी सरकार की सबका साथ, सबका विकास की प्रतिबद्धता को पुनर्जीवित करती है। यह बातें भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ रमापति राम त्रिपाठी ने रविवार को रविन्द्र नगर भाजपा कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में कहा। उन्होंने केंद्रीय बजट 2025-26 की प्रमुख बातें बताते हुए कहा कि बजट में 12 लाख रुपये तक की आय कर-मुक्त (नई कर व्यवस्था में) स्टैंडर्ड डिडक्शन बढ़ाकर 75,000 रुपये किया गया है,सीनियर सिटीजन्स के लिए टैक्स छूट सीमा बढ़ाई गई है। किसानों और ग्रामीण विकास के लिए किसान क्रेडिट कार्ड (डउउ) की सीमा 5 लाख रुपये की गई है, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का विस्तार,ग्राम सड़क योजना के लिए बजट बढ़ाया गया है। रोजगार और स्टार्टअप्स के क्षेत्र में एमईएमई सेक्टर के लिए सस्ते लोन की व्यवस्था, स्टार्टअप्स को कर छूट का विस्तार, स्किल डेवलपमेंट और अप्रेंटिसशिप योजनाओं के लिए अधिक बजट का प्रावधान किया गया है। शिक्षा और स्वास्थ्य के लिए नए मेडिकल और इंजीनियरिंग कॉलेजों की स्थापना, डिजिटल एजुकेशन के लिए अधिक फंडिंग,स्वास्थ्य बीमा योजनाओं में बढ़ोतरी हुई है। महिला और सामाजिक कल्याण के लिए महिला उद्यमियों को सस्ते ऋण की सुविधा, अंगनवाड़ी और मातृत्व योजनाओं के लिए अधिक फंडिंग की व्यवस्था की गई है।बुनियादी ढांचे और परिवहन के क्षेत्र में नई हाईवे और रेलवे परियोजनाएँ, सस्ते मकानों के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना का विस्तार, मेट्रो और रेलवे सुविधाओं का विस्तार होगा।
डिजिटल और हरित अर्थ व्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए ईवी (इलेक्ट्रिक वाहन) पर सब्सिडी, हरित ऊर्जा परियोजनाओं को बढ़ावा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह बजट मध्यम और निम्न वर्ग के लिए राहतकारी बताया जा रहा है
जिससे करदाताओं को बचत का अवसर मिलेगा और आर्थिक विकास को गति मिलेगी। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय, पूर्व जिलाध्यक्ष लल्लन मिश्र, जिला मीडिया प्रभारी विश्वरंजन कुमार आनन्द, सह जिला मीडिया प्रभारी अमित राय उपस्थित रहे।

नयी दिशा द्वारा गायत्री शक्ति पीठ पडरौना में हुआ पौधरोपण

कुशीनगर। नयी दिशा पर्यावरण सेवा संस्थान द्वारा पर्यावरण संरक्षण हेतु चलाये जा रहे पौधरोपण संग जन्मोत्सव अभियान के क्रम में रविवार को पडरौना नगर स्थित गायत्री शक्ति पीठ परिसर में वरिष्ठ अधिवक्ता राज केशर सिंह के जन्मोत्सव पर पौधरोपण किया गया। श्री सिंह ने कहा कि वर्तमान में पूरी दुनिया के समक्ष पर्यावरण प्रदूषण की समस्या विकराल रूप लेती जा रही है। इसके निदान हेतु अधिकाधिक पौधे लगाने व बचाने की जरूरत है। उन्होंने नयी दिशा के जन्मदिन पर पौधरोपण अभियान की सराहना की और उपस्थित लोगों से जन्मदिन पर पौधा लगाने की अपील की। संस्था के सचिव डॉ हरीओम मिश्रा ने कहा कि नई दिशा पर्यावरण को लेकर मुहिम चला रही है। आप सभी पौधरोपण के लिए जन जन को प्रेरित करें। इस अवसर पर डॉ0 शम्भू प्रसाद, शंकर प्रसाद अग्रवाल, सुदामा प्रसाद यादव, कृष्ण कुमार जायसवाल, सुधीर वर्मा, श्याम बिहारी अग्रवाल, जनार्दन प्रसाद उपस्थित रहे।

नोएडा में जरूरतमंदों के लिए कपड़ा संग्रहण शिविर का आयोजन

आज का मुद्दा-नोएडा। पहचान एनजीओ टीम और आरडब्ल्यूए सेक्टर 22 के संयुक्त तत्वावधान में, ई ब्लॉक सेक्टर 22, नोएडा में जरूरतमंद लोगों के लिए पुराने कपड़े और अन्य उपयोगी सामान एकत्रित करने के उद्देश्य से एक विशेष शिविर का आयोजन किया गया। इस पहल का उद्देश्य वंचित समुदायों को आवश्यक वस्त्र और सामग्री प्रदान करना है, ताकि वे दैनिक जीवन में उनका उपयोग कर सकें।कार्यक्रम के दौरान, स्थानीय निवासियों ने उत्साहपूर्वक अपने घरों से साफ और उपयोगी कपड़े, और अन्य आवश्यक वस्तुएं दान कीं। इन सामग्रियों को पहचान एनजीओ की टीम ने एकत्रित किया और उन्हें जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचाने की योजना बनाई है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य वंचित लोगों की सहायता करना और उन्हें आवश्यक संसाधन प्रदान करना है।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में चौकी इंचार्ज विकास राणा ,सब इंस्पेक्टर विकल चौधरी,नरदेव व उनके साथ वीरेन्द्र उपस्थित रहे।उनकी उपस्थिति ने इस सामाजिक प्रयास को और भी प्रेरणास्पद बना दिया।चौकी इंचार्ज विकास राणा ने इस अवसर पर कहा

कि समाज के हर वर्ग का कर्तव्य है कि वह जरूरतमंदों की सहायता के लिए आगे आए। सेक्टर 22 के निवासियों की यह पहल सराहनीय है और अन्य समुदायों के लिए प्रेरणास्रोत है।पहचान एनजीओ के प्रतिनिधियों ने बताया कि दान किए गए कपड़ों की गुणवत्ता और स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा गया है, ताकि लाभार्थियों को सवोत्तम सहायता मिल सके। उन्होंने यह भी अपील की कि भविष्य में भी ऐसे प्रयास जारी रखें, जिससे समाज में समानता और भाईचारे की भावना प्रबल हो।इस कार्यक्रम की सफलता में कई प्रमुख व्यक्तियों और संगठनों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। आरडब्ल्यूए सेक्टर 22 के संरक्षक और ब्राह्मण रक्षा दल के अध्यक्ष पं. रवि शर्मा, अध्यक्ष मदन शर्मा, लक्ष्मण दसमाना , रविन्द्र शेखावत, रवि विश्वकर्मा, जी ब्लॉक के श्री पाठक, सदाव खान, पवन शर्मा, डी. के. कटोच, अरुणांचलम, डॉ. विपुल राय व अन्य आरडब्ल्यूए सदस्यों ने सक्रिय भागीदारी निभाई।पहचान एनजीओ टीम से अध्यक्ष/संस्थापक श्री वेद प्रकाश सिंह, वालंटियर महासचिव पवन शर्मा, नीलेश सिंह,अंकित शर्मा, राज आनंद,अजय कुमार, मनोज पपने,शुभम शर्मा, और महिला शक्ति से मनीषा शर्मा,ममता शर्मा,वंदना,कोमल तिवारी, अदिति शर्मा,अर्जुन अहीरवाल , प्रादुल पांडे, राम कुमार, सौरभ त्यागी और मनेंद्र त्यागी ने इस संग्रहण शिविर के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पहचान एनजीओ टीम इस सामाजिक पहल को सफल बनाने में मदद करने वाले सभी स्थानीय संगठनों, व्यक्तियों, और समर्थकों का हार्दिक धन्यवाद करती है। यह आयोजन समाज में सकारात्मक बदलाव लाने और एकजुट होकर सेवा करने की प्रेरणा देता है।

करोड़ों से बने साइकिल ट्रैक पर सफाई का काम शुरू

आज का मुद्दा-नोएडा। साइकिल ट्रैक का नाम आते ही प्रदेश में सपा सरकार के कार्यकाल की यादें ताजा हो जाती हैं। प्रदेश में सपा सरकार के कार्यकाल में करोड़ों रुपये की लागत से बने साइकिल ट्रैक को ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण वर्षों से भूला बैठा था। प्राधिकरण अधिकारियों को अचानक ट्रैक की याद आ गई। ट्रैक की सफाई का काम तेजी से शुरू हो गया है। कर्मचारी लगाकार नॉलेज पार्क 2 व 3 में सफाई के साथ ही मेंटेनेंस का काम तेजी से चल रहा है। जल्द ही अन्य स्थानों पर बने ट्रैक को भी साफ कराया जाएगा।

सपा सरकार के कार्यकाल में करोड़ों रुपये की लागत से जिले में विभिन्न स्थानों पर साइकिल ट्रैक का निर्माण कराया गया था। नॉलेज पार्क में कई किलोमीटर लंबा साइकिल ट्रैक बनाया गया था। खास बात है कि इस ट्रैक पर आज तक साइकिल नहीं चली। कई बार पैदल जाने के लिए लोग इसका प्रयोग अवश्य कर लेते हैं। स्थिति यह हो गई थी कि ट्रैक पर गंदगी के साथ ही झाड़ियां भी उग आई थीं। कई वर्ष बाद प्राधिकरण अधिकारियों को साइकिल ट्रैक की याद आ गई है। जिसे व्यवस्थित करने का काम तेजी से चल रहा है।

गुमशुदा 5 साल की बच्ची को वापस पाकर परिजनों को मिला सुकून

आज का मुद्दा-नोएडा। सूरजपुर थाना क्षेत्र में शुक्रवार को एक पांच वर्षीय बच्ची अपने मामा के घर आई थी। वह बारात देखने के लिए घर से निकली, लेकिन रास्ता भटक गई। परिजनों ने उसे काफी तलाश किया, लेकिन बच्ची का कोई पता नहीं चला। घबराए हुए परिजनों ने थाना सूरजपुर पुलिस को सूचना दी।

सूचना मिलते ही थाना सूरजपुर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक विशेष टीम का गठन किया। टीम ने आसपास के इलाकों में लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की और बच्ची के संबंध में जानकारी जुटाई। लगातार खोजबीन के बाद पुलिस को सफलता मिली और मात्र दो घंटे के भीतर बच्ची को सुरक्षित खोज लिया गया। बच्ची को सकुशल बरामद करने के बाद पुलिस ने उसे उसके परिजनों को सौंप दिया। परिजनों ने राहत की सांस ली और सूरजपुर पुलिस का आभार व्यक्त किया।

बेरोइ इंक के दफ्तरों से टेकसाई रिसर्च का गोपनीय डेटा बरामद

आज का मुद्दा-नोएडा। दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश पर अमेरिकी कंपनी बेरोइ इनकॉरपोरेशन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई है। कंपनी के चेन्नई और नोएडा स्थित कार्यालयों पर छापेमारी में टेकसाई रिसर्च की गोपनीय फाइलें और संवेदनशील डेटा बरामद किया गया है। न्यायमूर्ति मिनी पुष्कर्णा के निर्देश पर स्थानीय पुलिस और आयुक्त की टीम ने यह कार्रवाई की। छापेमारी में मिले दस्तावेज टेकसाई रिसर्च की मालिकाना बाजार खुफिया जानकारी से जुड़े हैं। इन दस्तावेजों की बरामदगी से कॉर्पोरेट सुरक्षा में बड़ी सेंध का पता चला है। आरोप है कि बेरोइ इनकॉरपोरेशन इन दस्तावेजों का इस्तेमाल बाजार में अनुचित लाभ के लिए कर सकती थी, जिससे टेकसाई रिसर्च को भारी नुकसान होने की आशंका थी। कानूनी विशेषज्ञों का कहना है कि यदि बेरोइ इनकॉरपोरेशन पर लगे गोपनीय व्यापार रणनीतियों की चोरी के आरोप सिद्ध होते हैं, तो यह मामला कॉर्पोरेट जासूसी और बौद्धिक संपदा चोरी के दायरे में आ सकता है। जांच अधिकारियों ने बताया कि जब्त किए गए दस्तावेजों में टेकसाई रिसर्च की महत्वपूर्ण व्यावसायिक रणनीतियां शामिल हैं, जिनका दुरुपयोग कर बाजार में अनुचित लाभ लिया जा सकता था।

यह मामला कॉर्पोरेट जगत में बड़ी चिंता का विषय

बेरोइ इनकॉरपोरेशन की साख पर सवाल बेरोइ इनकॉरपोरेशन पर लगे इन आरोपों से इसकी कॉर्पोरेट प्रतिष्ठा को भारी झटका लगा है। इस घटना ने उद्योग जगत में डेटा सुरक्षा के प्रति बढ़ती चिंताओं को उजागर किया है। यह मामला यह भी दशार्ता है कि प्रतिस्पर्धा में आगे बढ़ने के लिए कंपनियां किस हद तक जाने को तैयार हैं। फिलहाल, पुलिस और न्यायालय इस मामले की गहन जांच कर रहे हैं। यदि बेरोइ इनकॉरपोरेशन पर लगे आरोप सही पाए जाते हैं, तो कंपनी को गंभीर कानूनी कार्रवाई और भारी दंड का सामना करना पड़ सकता है।

चोरी हुए 57 मोबाइल किए वापस

आज का मुद्दा-नोएडा। थाना फेज-2 पुलिस ने 24 दिसंबर को 2 लिटिल चोर को पकड़ा था। इन दोनों के पास से 30 मोबाइल फोन बरामद किए गए। इन दोनों की निशानदेही पर तीन और लिटिल चोर पकड़े गए। जिनके पास से 27 मोबाइल मिले। ऐसे कुल 57 मोबाइल को उनके मालिकों को वापस किया गया। डीसीपी शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि ये लिटिल चोर भीड़ भाड़ वाले बाजारों से मोबाइल चोरी करते थे। और तय की गई दुकानों पर बेचते थे। इन दुकानदारों को भी पकड़ा गया है।डीसीपी शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि शनिवार को फेस-2 पुलिस ने कोर्ट के आदेशानुसार इस प्रकरण से संबंधित 57 मोबाइल फोन को उनके मालिकों से संपर्क कर वापस लौटाया। पुलिस टीम ने तकनीकी साक्ष्यों की सहायता से सभी मोबाइल फोन मालिकों के बारे में जानकारी एकत्र की। उनसे सम्पर्क कर उनका फोन मिलने की सूचना दी गई। ऐसे में सभी लोग थाना फेज-2 आए और मोबाइल फोन प्राप्त किया। ये लिटिल चोर महिलाओं को टारगेट करते थे।उन्होंने बताया कि अपराधी समूह में काम करते थे और अगर किसी को पकड़े जाने का डर होता, तो वे चोरी किए गए मोबाइल फोन को अपने साथी को दे देते थे। चोरी किए गए मोबाइल फोन को झारखंड या पश्चिम बंगाल में कम कीमत पर बेच दिया जाता था। अपराधी बिना अभिभावक के विभिन्न स्थानों पर किराए के कमरे में रहते थे और ठेले पर खाना खाते थे। पकड़े जाने के डर से शातिर एक स्थान पर अधिक समय तक नहीं रुकते थे और अक्सर स्थान बदलते रहते थे।डीसीपी के मुताबिक अपराधियों का कोई निश्चित ग्राहक नहीं था। वे मोबाइल को मोल-तोल करके जहां भी अधिक कीमत मिलती, वहां बेच देते थे। इन अपराधियों में दो अनपढ़ थे और तीन ने केवल प्राइमरी शिक्षा प्राप्त की थी।

धर्मेन्द्र शर्मा तीसरी बार बने आरडब्ल्यूए अध्यक्ष

आज का मुद्दा-नोएडा। रविवार को सेक्टर 34 अरावली रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन में धर्मेंद्र शर्मा लगातार तीसरी बार आरडब्ल्यूए अध्यक्ष चुने गए। एसोसिएशन के चुनाव में 14 पदों पर निर्विरोध निर्वाचन हुआ है। लेकिन अध्यक्ष एव महासचिव पद पर रविवार को मतदान सम्पन्न हुआ जिसमे धर्मेन्द्र शर्मा ने एकतरफा जीत दर्ज करते हुए अपने प्रतिद्वंदी किशन झींगा को पराजित किया। उनको कुल पड़े वोट में से वोट प्राप्त हुए महासचिव पद पर प्रदीप सिंह ने विवेक शर्मा को वोटों से हराया।धर्मेंद्र शर्मा वर्तमान में नोएडा एम्पलाइज एसोसिएशन के उपाध्यक्ष और फेडरेशन ऑफ आरडब्ल्यूए सेक्टर 34 के महासचिव भी हैं।चुनाव में बड़ी जीत के बाद नवनिर्वाचित अध्यक्ष धर्मेंद्र शर्मा ने कहा कि उनकी प्राथमिकता सोसायटी के विकास कार्यों को और अधिक गति देना होगा। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि सोसायटी के निवासियों की समस्याओं का समाधान करने के लिए पूरी कार्यकारिणी प्रतिबद्ध रहेगी।उन्होंने

सभी मतदाताओं का आभार भी प्रकट किया चुनाव अधिकारी राजेश सक्सेना और चुनाव अधिकारी विजय कुमार गिरी ने बताया कि उपाध्यक्ष अमित रस्तोगी महासचिव प्रदीप सिंह, संयुक्त सचिव अजय श्रीवास्तव, कोषाध्यक्ष आरपी प्रजापति, सह कोषाध्यक्ष अविनाश कुमार और कार्यकारिणी सदस्य के रूप में सविता केदार,पदमा नायडू आर. पी. वर्मा राम बी कुमार अजय रस्तोगी,आरपी सिंह, सुरेश जी बने नीलम कुमारी मुनीश बाबू संतराज सिंह निर्वाचित हुए।

हाउस टैक्स : रविवार को नगर निगम ने लगाए कैंप, 41 लाख की हुई वसूली

आज का मुद्दा-गाजियाबाद : नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के निर्देश अनुसार हाउस टैक्स वसूली को बढ़ाने के लिए अवकाश दिवस में भी 12 स्थान पर कैंप लगवाए गए। रविवार को भी जोनल कार्यालय खोले गए, जिससे करदाताओं को सहूलियत मिले। नगर निगम के पांचो जोन से 41 लाख की वसूली हुई और 1103 करदाताओं ने कैंप का लाभ उठाया। इसी कड़ी में वसुंधरा में 850, विजयनगर में 71, कवि नगर में 12, मोहन नगर क्षेत्र में 100 और सिटी जोन अंतर्गत 70 करदाताओं ने कैंप में हाउस टैक्स जमा कराया।

मुख्य कर निर्धारण अधिकारी डॉ. संजीव ने सभी कैंप का निरीक्षण भी किया। वसुंधरा जोन अंतर्गत 17 लाख की वसूली हुई, कवि नगर जोन अंतर्गत 6 लाख की वसूली हुई, मोहन नगर जोन से 8 लाख की वसूली हुई, विजयनगर अंतर्गत

5 लाख की वसूली हुई, सिटी जोन अंतर्गत 5 लाख की वसूली हुई। इसके अलावा इंदिरापुरम क्षेत्र से अनुरक्षण शुल्क के रूप में चार लाख की वसूली कैंप के माध्यम से हुई। गाजियाबाद नगर निगम टीम के द्वारा कड़ी मेहनत के साथ शहर हित में लगातार कार्य किया जा रहा है और हाउस टैक्स वसूली को भी बढ़ाया जा रहा है। पार्षद भी आवश्यक वसूली में निगम का सहयोग कर रहे है। करदाताओं को गाजियाबाद नगर निगम द्वारा लगाए गए कैंप से सहूलियत रही। सभी ने हाउस टैक्स जमा कराया तथा गाजियाबाद नगर निगम का धन्यवाद भी किया। आगे भी अन्य क्षेत्रों में 31 मार्च तक अवकाश दिवसों में भी कैंप लगते रहेंगे, जिससे शहर वासियों को लाभ मिलेगा। बड़े करदाताओं से हाउस टैक्स वसूलने के लिए कार्यवाही को बढ़ाया जा रहा है, जिसमें सीलिंग की कार्यवाही आज से और अधिक तेजी से की जाएगी।

बीमा कंपनी को 5.60 लाख रुपये का भुगतान करने का आदेश

आज का मुद्दा

नोएडा। जिला उपभोक्ता फोरम ने स्टार हेल्थ एंड एलाइड इंश्योरेंस कंपनी को बड़ा झटका देते हुए 5.60 लाख रुपये का भुगतान करने का आदेश दिया है। यह फैसला नोएडा के सेक्टर-48 निवासी लक्ष्मी रतन सिंह के पक्ष में आया, जिन्होंने बीमा कंपनी पर क्लेम देने से इनकार करने का आरोप लगाते हुए फोरम में वाद दायर किया था। लक्ष्मी रतन सिंह ने 16 जनवरी 2021 को एजेंट वसीम खान से स्टार हेल्थ एंड एलाइड इंश्योरेंस कंपनी में 10 लाख रुपये की कैशलेस मेडिक्लेम फैमिली फ्लोटर पॉलिसी खरीदी थी। इसके लिए उन्होंने 28,341 रुपये का प्रीमियम चुकाया था। लेकिन जब पॉलिसी के दस्तावेज मिले, तो उसमें उनकी और उनकी पत्नी की पुरानी बीमारियों का कोई उल्लेख नहीं था। शिकायत करने पर एजेंट ने दूसरा प्रमाण पत्र भेजा, लेकिन उसमें भी गड़बड़ी बरकरार रही।जनवरी 2023 में लक्ष्मी रतन सिंह को अपोलो अस्पताल में घुटने की सर्जरी करानी पड़ी। अस्पताल प्रशासन ने बीमा कंपनी को 5,21,171 रुपये का बिल भेजा, लेकिन कंपनी ने यह कहते हुए भुगतान करने से इनकार कर दिया कि पॉलिसी में उक्त बीमारी का उल्लेख नहीं है। मजबूर होकर लक्ष्मी रतन सिंह ने अपनी जेब से अस्पताल का बिल भरा और फिर बीमा कंपनी से संपर्क किया, लेकिन उन्हें लगातार टाल-मटोल का सामना करना पड़ा।

फोरम ने दिया पीड़ित के पक्ष में फैसला

बीमा कंपनी के झांसे से परेशान होकर लक्ष्मी रतन सिंह ने जिला उपभोक्ता फोरम का दरवाजा खटखटाया। फोरम के अध्यक्ष अनिल कुमार पुंडीर और सदस्य अंजू शर्मा ने मामले की सुनवाई के बाद बीमा कंपनी को 5,41,171 रुपये मेडिक्लेम राशि, 9,294 रुपये ब्याज, 5,000 रुपये मानसिक प्रताड़ना और 5,000 रुपये अन्य खर्च के रूप में कुल 5.60 लाख रुपये 30 दिन के भीतर पीड़ित को देने का आदेश दिया।

मानव उत्थान सेवा समिति ने चलाया नशा उन्मूलन

आज का मुद्दा-नई दिल्ली: अखिल भारतीय सामाजिक एवं आध्यात्मिक संस्था मानव उत्थान सेवा समिति के तत्वाधान में दिल्ली एनसीआर में मानव उत्थान सेवा समिति द्वारा नशा मुक्ति अभियान चलाया गया। इस दौरान आयोजित कार्यक्रम में साध्वी गीतिका बाई जी ने कहा कि नशा आज समाज की गंभीर समस्या बन गया है। इसके दुष्परिणामों की जानकारी देने के लिए यह कार्यक्रम चलाया गया। उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम जिसके प्रेरक सुप्रसिद्ध समाजसेवी एवं आध्यात्मिक गुरु पूज्य सतपाल जी महाराज है। उनकी प्रेरणा से संस्था समय समय पर आध्यात्मिक ज्ञान के प्रचार-प्रसार के साथ साथ अनेक सामाजिक कार्यों में संलग्न है जैसे रक्तदान शिविर, मिशन एजुकेशन, मिशन मेडिसन, भूकंप एवं प्राकृतिक आपदाओ मे निशुल्क राहत सामग्री वितरण, बेसहारा एवं निर्धन व्यक्तियों को राहत सामग्री एवं वस्त्र वितरण, नशा उन्मूलन पर जन जागृति अभियान चलाकर समाज मे जागरूकता फेलाना, निशुल्क सवास्थ्य शिविर, आदि कार्यों को संचालित करती है। आज का युवा नशे की गिरफ्त में आता जा रहा है। यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दा है जिस पर हमें ध्यान देने की जरूरत है। इसी श्रखंला मे समिति नशा मुक्ति अभियान के तहत मानव उत्थान सेवा समिति दिल्ली के सातों जिलों में और एनसीआर में विभिन्न जगहों पर सुबह प्रभात फेरी निकालकर लोगों को नशे से मुक्ति के लिए जागृत किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ पत्रकार राहुल चौहान ने अपने संबोधन में कार्यक्रम में आए

लोगों से नशा मुक्ति अभियान को एक जन आंदोलन बनाने की अपील की. उन्होंने कहा कि जब तक इस आंदोलन में जन भागीदारी नहीं बढ़ेगी तब तक यह नशा मुक्ति का कार्यक्रम अपने उद्देश्य को पूरा करने में सफल नहीं होगा. नशा आज देश में एक बड़ी समस्या बन चुकी है और इसके लिए हमें एक साथ मिलकर काम करने की जरूरत है। प्रभात फेरी के बाद आयोजित विशाल सदभावना सत्संग समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न प्रकार के नाटकों के माध्यम से नशे के दुष्परिणामों के बारे अवगत कराया गया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ पत्रकार एवं पंचायत संदेश पत्रिका के संपादक बद्रीनाथ सिंह ने कहा कि नशा समाज में एक बड़ी बुराई के रूप में पंक चुका है उसको खत्म करने के लिए लोगों को आगे आना चाहिए अगर अपने आने वाली पीढियां को और वर्तमान पीढ़ी के भविष्य को उज्जवल बनाना है तो उनको नशाखोरी की लत से बचाना होगा. विभिन्न तीर्थों से आए हुए संत महात्माओं ने युवाओं को नशा छोड़ने और नशे के भयंकर परिणामों के बारे में अवगत कराया। वहीं, साध्वी प्रवीणा बाई ने कहा कि इस आजकल के तनाव पूर्ण जीवन से छुटकारा पाने के लिए व्यक्ति नशे की ओर बढ़ गया है, जबकि गुरु नानक देव जी ने कहा है, नशा भांग शराब का उतर जात प्रभात, नाम खुमारी नानका चढ़ी रहे दिन रात", हमें प्रभु नाम का सहारा लेने की जरूरत है ताकि हम नशे की आवश्यकता से मुक्त हो सकें और हमारे जीवन का उत्थान हो सके। ईश्वर के ध्यान से हमें भौतिक ताप नहीं सताते हैं. हम विषम परिस्थितियों में बिना विचलित हुए अपने सामाजिक कत्तव्य का निर्वाह करने में सक्षम हो जाते हैं। गुरु महाराज जी का संदेश है कि भारत तभी विश्व गुरु बन सकता है जब इसमें सभी प्रकार की बुराईयां खत्म होंगी, नशे से युवा मुक्त होगा। मानव उत्थान सेवा समिति द्वारा चलाए गए इस अभियान में लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और समाज के अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने इसकी प्रशंसा की व कहा की यह बहुत ही आवश्यक अभियान है। कार्यक्रम का संचालन संस्था से जुड़े हुए एवं समाजसेवी जितेंद्र अरोड़ा ने किया।

शिव जयंती के अवसर पर "राजयोग द्वारा डर पर विजय" कार्यक्रम आयोजित

आज का मुद्दा- नोएडा। ब्रह्माकुमारीज सेक्टर 46, 51 और 15 नोएडा ने आज गार्डेनिया ग्लोरी, सेक्टर 46 में शिव जयंती के अवसर पर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया।इस कार्यक्रम का विषय था "राजयोग द्वारा डर पर विजय" और इसमें सैकड़ों लोग उपस्थित हुए।कार्यक्रम की शुरूआत ब्रह्माकुमारी आँचल दीदी और ब्रह्माकुमारी लीना दीदी द्वारा निर्देशित ध्यान सत्र से हुयी।लीना दीदी ने कहा कि भगवान शिव का एक नाम 'भूतनाथ' है, जो डर के भूत को नष्ट करने का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि राजयोग ध्यान के माध्यम से हम परमात्मा को अपना साथी बना सकते हैं और डर से मुक्ति पा सकते हैं। राजयोग ध्यान एक सरल और प्रभावशाली विधि है, जिसे कोई भी व्यक्ति कहीं भी, कभी भी कर सकता है। यह विधि आत्मा की शुद्धि करती है और मानसिक तनाव को कम करती है,

जिससे व्यक्ति को आंतरिक शांति और शक्ति मिलती है।डर पर विजय पाने के लिए, राजयोग ध्यान आंतरिक शक्ति और स्पष्टता को बढ़ाता है।यह मन को नियंत्रित करने में मदद करता है, जो डर को दूर करने के लिए आवश्यक है। राजयोग के नियमित अभ्यास से व्यक्ति अपनी आध्यात्मिक पहचान को पहचान सकता है, जिससे निराशा में भी आशा मिलती है।ब्राह्माकुमारी पारुल ने एक वीडियो के माध्यम से बताया कि डर हमारे विश्वासों और शरीर के प्रति आसक्ति का परिणाम होता है। यदि हम अपने आप को सिर्फ शरीर न मानकर आत्मा समझें, तो हम अपने डर को भी समाप्त कर सकते हैं।उन्होंने कहा कि मन के जीते जीत है, मन के हारे हार है," और श्रोताओं को अपने डर पर विजय प्राप्त करने के लिए जागरूक और तैयार रहने के लिए प्रेरित किया। उपनिषद को उद्धृत करते हुए उन्होंने कहा कि मन एव मनुष्याणां कारणं बन्धमोक्षयोः। बन्धाय विषयासक्तं मुक्त्यै निर्विषयं स्मतम॥" अर्थात मन ही सभी मनुष्यों के बंधन एवं

मोक्ष का प्रमुख कारण है।विषयों में आसक्त मन बंधन का और कामना-संकल्प से रहित मन ही मोक्ष (मुक्ति) का कारण कहा गया है।इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन की प्रोफेसर डॉ. नीतू जैन ने अपने प्रेरणादायक भाषण में कहा कि "कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती।" उन्होंने बताया कि डर पर विजय प्राप्त करना एक यात्रा है और इसकी शुरूआत छोटे कदमों से होती है। ईश्वर का सहारा लेने की बात करते हुए उन्होंने श्रोताओं को सोच और दृष्टिकोण बदलने के लिए प्रेरित किया।उन्होंने कहा कि जो तूने रब से लौ लगायी तो दिल में खौफ ये जवाल कैसा, कि जिसकी कश्ती को थाम ले वो तो डूबने का सवाल कैसा। ये तेरी शोहरत ये कामयाबी तो इसमें तेरा कमाल कैसा, जो जीत उसके करम से है तो हारने का मलाल कैसा।" उन्होंने आगे कहा कि सोच बदलें तो सितारे बदल जाते हैं, नजर बदलें तो नजारे बदल जाते हैं; कश्ती बदलने से कुछ नहीं होगा, दिशा बदलें तो किनारे बदल जाते

हैं।" उन्होंने श्रोताओं को स्वयं को बदलने के बारे में सोचने के लिए प्रेरित किया और कहा कि "उम्र भर यही भूल करता रहा, धूल चेहरे पर थी और आईना साफ करता रहा।" एक बेहद ऊजार्वान और प्रेरणादायक भाषण के द्वारा उन्होंने लोगों को अपने डर के ऊपर जीत प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, मनोवैज्ञानिक प्रिया भार्गव ने भी श्रोताओं से आत्म-संदेह पर विजय प्राप्त करने की बात की। उन्होंने कहा कि अपने डर के विचारों को लिखें और उन्हें वगीर्कृत करें झ जिनका समाधान हम नियंत्रित कर सकते हैं, जिनका आंशिक समाधान है और जो हम नहीं बदल सकते, उन्हें अनदेखा करें।और विकृतियाँ जो गलत आत्म-निर्णय के कारण होती हैं, जिन्हें कमजोर करने के लिए सबूतों की खोज करके दूर किया जाना चाहिए।यह विधि व्यक्ति को अपने डर से निपटने और मानसिक शांति प्राप्त करने में मदद करती है।

कार्यक्रम में 500 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें वरिष्ठ अधिकारी और समाज के विभिन्न क्षेत्रों के लोग शामिल थे।कार्यक्रम में आरके सिंह (सेवानिवत्त आईएएस), अरुण कुंद्रा (आयकर वकील), रवींद्र जैन (वरिष्ठ वैज्ञानिक) और पंकज माथुर (पूर्व निदेशक, आईओसी जेवी) भी उपस्थित थे।नृत्य और एक लघु नाटिका के माध्यम से कार्यक्रम में भय पर विजय का विषय भी प्रस्तुत किया गया।यह कार्यक्रम ब्रह्माकुमारीज के तत्वावधान में आयोजित किया गया जिसका उद्देश्य लोगों को राजयोग ध्यान के माध्यम से डर पर विजय प्राप्त करने और एक संतुष्ट जीवन जीने के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम ने यह साबित किया कि आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच और राजयोग ध्यान के माध्यम से हम किसी भी डर को परास्त कर सकते हैं और जीवन को खुशहाल बना सकते हैं।